मनेन्द्रगढ़
19 मई 2026 मगंलवार

दैनिक
मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

सीबीएसई ने 12वीं की रीवैल्यूएशन फीस 700 से 100 की

एक नंबर भी बढ़ा तो पूरी फीस वापस होगी, छात्रों के विरोध के बाद फैसला

नई दिल्ली,एजेंसी। शिा मंत्रालय ने 12वीं के छात्रों के विरोध के बाद सेंट्रल बोर्ड ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन यानी CBSE के रीवैल्यूएशन फीस में कटौती की है। अब स्कैन कॉपी के लिए 700 की जगह 100 रुपए ही देने होंगे। प्रति सवाल दोबारा जंचवाने के लिए अब 100 की जगह 25 रुपए ही लगेंगे। शिा सचिव संजय कुमार ने रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ये घोषणाएं कीं। उन्होंने यह भी कहा कि यदि किसी छात्र के कुल अंकों में एक अंक भी बढ़ता है तो उसे रीवैल्यूएशन प्रोसेस के लिए जमा की गई फीस वापस दी जाएगी।

19 मई से 22 मई के बीच छात्र अपनी स्कैन आंशर शीट हासिल कर सकते हैं। यदि वे अपनी कॉपी को वेरिफाई या री-इवैल्युएट कराना चाहें तो अगले एक हफ्ते में 26-29 मई के बीच ऐसा भी कर सकेंगे। हालांकि बोर्ड ने कहा कि रि-इवैल्युएशन की प्रक्रिया भी ओएसएम (ऑन स्क्रीन मार्किंग) से ही होगी, न कि मैनुअली। बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि यदि ज्यादा आवेदन आए तो बोर्ड इस प्रक्रिया की तिथि और बढ़ा सकता है।

बंगाल में केंद्रीय बलों की संख्या में कटौती

500 कंपनियों से 10000 जवान हटाए गए, समीा के बाद हुआ निर्णय

कोलकाता,एजेंसी। पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव संपन्न होने के बाद कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की पांच सौ कंपनियों को तैनात किया गया था। गत सप्ताह राज्य के वर्तमान सुरा परिदृश्य की गहन समीा की गई है। इसके बाद निर्णय लिया गया कि राज्य से अब केंद्रीय बलों की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाए। पहले चरण में सौ कंपनियों यानी 10 हजार जवानों की पश्चिम बंगाल से वापसी हो गई है। आगामी दिनों में राज्य में बाकी बची केंद्रीय बलों की 400 कंपनियों को विभिन्न चरणों में हटा लिया जाएगा।

गृह मंत्रालय की तरफ से बंगाल सरकार को संदेश

केंद्रीय गृह मंत्रालय की तरफ से पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव, गृह सचिव और डीजीपी को संदेश भेजा गया है। इसमें कहा गया है कि विधानसभा चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में तैनात केंद्रीय अर्धसैनिक बलों 'सीएपीएफ' की कंपनियों को चरणबद्ध तरीके से हटा लिया जाए। राज्य में चुनाव संपन्न होने के बाद केंद्रीय बलों के सभी जवानों को वहां से नहीं हटाया गया था। पिछली बार चुनाव होने के बाद राज्य के कई भागों में हिंसा की घटनाएं देखने को मिली थी। इस बार वैसी घटनाएं न हों, इसके लिए चुनाव संपन्न होने के बाद भी बंगाल में केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 500 कंपनियां तैनात की गई थीं।

बिहार के सासाराम में ट्रेन की जनरल बोगी में आग

सभी यात्री सुरति निकले; रविवार को त्रिवेंद्रम-दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की 2 बोगियों में आग लगी थी

सासाराम, रोहतास,एजेंसी। सासाराम में सासाराम-आरा-पटना पैसेंजर (ट्रेन नंबर 53212) में सोमवार को अचानक आग लग गई। आग ट्रेन की जनरल बोगी डी 3 में लगी थी। इसके बाद बोगी से धुआं और लपटें उठने लगीं।

घटना के समय ट्रेन 6 नंबर प्लेटफॉर्म पर खड़ी थी। आग लगते ही यात्रियों के बीच भगदड़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो गई। लोग अपनी जान बचाने के लिए जल्दबाजी में ट्रेन से उतरने लगे। कई यात्री अपना सामान छोड़कर प्लेटफॉर्म की ओर भागे।प्रत्यदर्शियों के अनुसार, पहले कोच के अंदर से तेज जलने की गंध महसूस हुई। इसके बाद बोगी के भीतर धुआं भरने लगा और आग की लपटें दिखाई दीं।

रविवार को त्रिवेंद्रम से हजरत निजामुद्दीन (दिल्ली) जा रही राजधानी एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 12431) में आग लगी थी। आग ट्रेनएसी कोच बी-1 में आलोट के पास लूणी रीछा-विक्रमगढ़ स्टेशन के बीच सुबह करीब 5:15 बजे लगी थी।

यात्री बैठे थे, ट्रेन खुलने वाली थी और आग लगी: ट्रेन सुबह 6.45 से सासाराम से खुलने वाली थी। बोगी में आग ट्रेन खुलने से पहले लग गई थी। इस दौरान यात्री ट्रेन में बैठे हुए थे।

घटना की जानकारी तुरंत रेलवे कर्मियों को दी गई। फौरन मौके पर आरपीएफ और दमकल विभाग की टीम पहुंच गई और आग पर काबू पा लिया गया। सभी यात्रियों को बोगी से सुरति बाहर निकाल लिया गया और किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। जिस बोगी में आग लगी थी, उसे ट्रेन से अलग कर दिया गया है।

म.प्र.-राजस्थान समेत 9 राज्यों में 45डिग्री पार जाएगा पारा

यूपी का बांदा देश में सबसे गर्म, तापमान 46.4डिग्री; बिहार में गर्मी से 27 छात्राएं बेहोश

नई दिल्ली/भोपाल/जयपुर/लखनऊ,एजेंसी। राजस्थान, मध्य प्रदेश समेत मैदानी इलाकों के 9 राज्यों में आज भीषण गर्मी का अलर्ट जारी किया गया है। पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, महाराष्ट्र का विदर्भ-मराठवाड़ा और तेलंगाना भी आज यलो अलर्ट पर है। मौसम विभाग के मुताबिक इन राज्यों में कई जिलों का तापमान 45डिग्री का आंकड़ा पार कर जाएगा।

गर्मी का यह दौर पिछले एक हफ्ते से जारी है। रविवार को क्कका बांदा 46.4डिग्री के साथ देश का सबसे गर्म शहर रहा। राजस्थान के बीकानेर-बाड़मेर में पारा 45डिग्री और म.प्र. के खंडवा में 44.5डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

इधर, बिहार में कई जिलों में उमस भरी गर्मी है तो कुछ जगह बारिश हो रही है। शेखपुरा के कस्तूरबा स्कूल में गर्मी के कारण 27 छात्राएं बेहोश होकर गिर पड़ीं। सभी को शेखपुरा सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया है।देश के बाकी हिस्सों की बात करें तो केरलम, तमिलनाडु, कर्नाटक, असम, मेघालय, अरुणाचल प्रदेश, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में भारी बारिश हो सकती है।

यूपी के लखीमपुर में सड़क हादसे में 10 की मौत

ट्रक ने मैजिक को टक्कर मारी, कई लोग सीट के बीच में ही फंस गए

लखीमपुर-खीरी,एजेंसी। लखीमपुर खीरी में सोमवार सुबह 7.30 बजे मैजिक वाहन और ट्रक की टक्कर में 10 लोगों की मौत हो गई। ये सभी मैजिक वाहन में सवार थे। 9 लोगों की मौके पर ही मौत हुई, जबकि एक ने अस्पताल में दम तोड़ दिया।

हादसा जिला मुख्यालय से 40 किमी दूर पीलीभीत-बस्ती हाईवे पर अदलीसपुर गांव के पास हुआ। प्रत्यदर्शियों ने बताया कि मैजिक वाहन लखीमपुर से सिसैया की तरफ से जा रहा था। इसे बहराइच से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने सामने से टक्कर मारी। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से फरार हो गया।

टक्कर इतनी भीषण थी कि मैजिक का अगला हिस्सा पिचक गया। इसमें बैठे लोगों के सिर फट गए। एक शख्स का पूरा चेहरा फट गया। लोग सीट के बीच में ही

फंस गए। दो लोग उछलकर बाहर रोड पर गिरे। स्थानीय लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

पुलिस ने ट्रक को कब्जे में लिया, घायल जिला अस्पताल रेफर

खमरिया के सीओ शमशेर बहादुर सिंह ने बताया- पुलिस ने ट्रक (क्14 ।।ञ 5176) को कब्जे में ले लिया है। चालक की तलाश की जा रही है। वहीं, सीएचसी खमरिया के अधीक डॉ. अमित कुमार सिंह ने बताया- हादसे के बाद 2 महिलाओं और 7 पुरुषों के शव यहां लाए गए थे। कई बॉडी बुरी तरह कुचल गई थी। एक गंभीर घायल पुरुष को जिला अस्पताल रेफर किया गया, लेकिन रास्ते में उसकी भी मौत हो गई।

तीन मृतकों की पहचान हुई

मृतकों में तीन लोगों की पहचान हो गई है। इनमें जयवीर सिंह (25) पुत्र पेशकर सिंह निवासी ग्राम मन गोठिया बहराइच, अदनान पुत्र वकील निवासी ग्राम सिसैया धौरहरा-खीरी, पवन पुत्र संतोष ग्राम मंझरा राम वचन पुरवा, बहराइच शामिल हैं।

नीट केस में महाराष्ट्र की केमिस्ट्री कोचिंग का डायरेक्टर अरेस्ट

सीबीआई को फोन में लीक पेपर मिला, सेंटर पर भी छापेमारी; अब तक 10 गिरफ्तार

नई दिल्ली/मुंबई , एजेंसी। नीट पेपर लीक केस में सोमवार को 10वीं गिरफ्तारी हुई। सीबीआई ने महाराष्ट्र के लातूर से केमिस्ट्री कोचिंग डायरेक्टर शिवराज रघुनाथ मोटेगांवकर को गिरफ्तार किया। अधिकारियों के अनुसार, रविवार को सीबीआई की तलाशी के दौरान रघुनाथ के मोबाइल से NEET UG का लीक पेपर बरामद हुआ।CBI के मुताबिक मोटेगांवकर संगठित गिरोह का हिस्सा है, जो NEET पेपर लीक कराने और आगे फैलाने में शामिल है। उसने अन्य आरोपियों के साथ मिलकर 23 अप्रैल को ही पेपर और आंसर की हासिल की और कई लोगों को दी थी।CBI ने 15 मई को मोटेगांवकर से उसके घर पर 8 घंटे पूछताछ

की थी। मोटेगांवकर का लातूर समेत 7 जिलों में रेणुकाई केमिस्ट्री क्लासेस (RCC) नाम का कोचिंग सेंटर है। रविवार को CBI ने RCC के मेन ऑफिस पर छापा मारकर कई डॉक्यूमेंट्स और इलेक्ट्रॉनिक सामान भी जब्त किया।रिपोर्ट्स के मुताबिक कोचिंग सेंटर का 100 करोड़ का टर्नओवर है। CBI को शक है कि सेंटर में NEET कैंडिडेट्स को लीक पेपर के सवाल उपलब्ध कराए गए।

जम्मू-कश्मीर की 13प्रतिशत आबादी ड्रग्स ले रही

पंजाब और सीमा पार से पहुंच रही खेप; ड्रग्स माफिया पर शिकंजे के लिए 100 दिन का अभियान

ीनगर,एजेंसी। पंजाब के बाद जम्मू-कश्मीर नशे के नए गढ़ के रूप में सामने आया है। सरकारी अनुमानों के मुताबिक, राज्य की 1.3 करोड़ आबादी में से करीब 13.5 लाख लोग (13% से ज्यादा) ड्रग्स से प्रभावित हैं। 2022 में यह आंकड़ा करीब 6 लाख था।

अधिकारियों का कहना है कि आतंकवाद के साथ अब ड्रग्स नेटवर्क भी बड़ी चुनौती बनकर उभरा है। डीजीपी नलिन प्रभात ने भी पाकिस्तान प्रायोजित आतंकवाद और नशीले पदार्थों के नेटवर्क को बड़ा खतरा बताया है। इसी के मद्देनजर सरकार ने 100 दिन का नशा-विरोधी अभियान शुरू किया है। इसमें अब तक 1 करोड़ से ज्यादा लोग जुड़ चुके हैं।दणि कश्मीर के मोहम्मद अमीन बताते हैं कि उनका बेटा वकील

बनना चाहता था, लेकिन स्कूल में सिगरेट से शुरू हुई लत धीरे-धीरे चरस और हेरोइन तक पहुंच गई। बाद में ड्रग्स खरीदने के लिए उसने घर का सामान तक बेचना शुरू कर दिया।

ड्रग्स की लत से बाहर निकल चुके आदिल भट का कहना है कि इसके पीछे संगठित गिरोह काम कर रहे हैं, जिनके तार पंजाब के डीलरों से जुड़े हैं। नशीले पदार्थ सीमावर्ती इलाकों के रास्ते जम्मू-कश्मीर पहुंच रहे हैं।

वडोदरा से दिल्ली जा रही इंडिगो फ्लाइट में लाइट गुल

अंधेरे और गर्मी में बेहाल हुए पैसेंजर्स, 25 मिनट बाद हुई बिजली सप्लाई शुरू

वडोदरा,एजेंसी। गुजरात के वडोदरा में रविवार रात इंडिगो की फ्लाइट (6E 657) में बिजली गुल हो गई। विमान का ग्राउंड पावर यूनिट (GPU) अचानक बंद हो जाने से ये हालात बने।इसके चलते पैसेंजर्स को अंधेरे और भारी उमस में परेशानी का सामना करना पड़ा। कुछ यात्रियों की तबीयत बिगड़ने लगी थी। एक पैसेंजर ने अपने मोबाइल में ये वीडियो रिकॉर्ड कर लिया था, जो अब वायरल हो रहा है।25 मिनट बाद लाइट बिजली सप्लाई हुई शुरू रविवार रात को इंडिगो की फ्लाइट नंबर 6E657 वडोदरा से दिल्ली रवाना होने की तैयारी में थी।

कोलकाता में पुलिस पर पथराव, 3 जवान घायल

अतिक्रमण हटाने के खिलाफ प्रदर्शन हो रहा था; ममता बोलीं- बंगाल बुलडोजर राजनीति में यकीन नहीं करता

कोलकाता,एजेंसी। कोलकाता में रविवार को पार्त सर्कस इलाके में अतिक्रमण हटाने के खिलाफ लोगों ने प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस पर पथराव भी हुआ, जिसमें 3 पुलिसकर्मी घायल हो गई। सुरा बलों के वाहनों में तोड़फोड़ भी की गई।

पार्क सर्कस सेवन प्वाइंट क्रॉसिंग के पास बड़ी संख्या में लोग एंटी-एन्क्रोचमेंट ड्राइव के विरोध में जुटे थे। उन्होंने सड़क जाम करने की कोशिश की। पुलिस जब भीड़ को हटाने पहुंची, तो पथराव शुरू हो गया।

कोलकाता पुलिस के एडिशनल कमिश्नर आशेष बिस्वास ने कहा- कुछ लोगों को हिरासत में लिया गया है। बाकी की पहचान की जा रही है।

दरअसल, कोलकाता के तिलजला इलाके में पिछले हफ्ते एक फैक्ट्री में आग लगने से 2 लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद प्रशासन ने इलाके में अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाने के लिए बुलडोजर चलाया। पार्क सर्कस में जुटे लोग इसी कार्रवाई का विरोध कर रहे थे।

- **ममता बोलीं- बंगाल बुलडोजर राजनीति में यकीन नहीं करता:** पूर्व सीएम और टीएमसी प्रमुख बनर्जी ने एक्स पर लिखा- बंगाल बुलडोजर राजनीति में यकीन नहीं करता। टैगोर और नेताजी की धरती पर आम नागरिकों के खिलाफ डर, बल और तोड़फोड़ के जरिए शासन नहीं चलाया जा सकता।

उन्होंने कहा कि घरों से लेकर फेरीवालों के ठेलों तक, गरीब राजनीतिक अहंकार की कीमत चुका रहे हैं। आज जो हो रहा है, वह उन लोगों की जिंदगी पर हमला है। सरकार इंसानों से ज्यादा दिखावे की परवाह कर रही है।

- **CPI ने कहा- BJP को सत्ता का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए :** CPI महासचिव डी राजा ने कहा कि बंगाल में बहुत कुछ हो रहा है। हमने चुनाव बाद हिंसा देखी। अब बुलडोजर का इस्तेमाल देखा। चुनाव खत्म हो चुके हैं।

सुप्रीम कोर्ट बोला:उमर खालिद को बेल मिल सकती थी

दिल्ली दंगा मामले के अपने फैसले पर आपत्ति जताई, कहा- जमानत अधिकार है, जेल अपवाद

नई दिल्ली,एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली दंगा साजिश मामले में जेएनयू के पूर्व छात्र नेता उमर खालिद को जमानत देने से इनकार करने वाले अपने पिछले फैसले पर आपत्ति जताई। कोर्ट ने सोमवार को यह बयान सैयद इफ्तिखार अंद्राबी से जुड़े नार्को-टेररिज्म मामले पर सुनवाई के दौरान दिया। कोर्ट ने माना कि किसी आरोपी को बेल देना एक नियम है, उसे जेल भेजना अपवाद होना चाहिए।जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस बीवी नागरत्ना की बेंच ने केए नजीब मामले में सुप्रीम कोर्ट के फैसले का जिक्र किया। बेंच ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 2021 में माना था कि मौलिक अधिकार का उल्लंघन होने पर अदालतें गैर-कानूनी गतिविधि रोकथाम अधिनियम (UAPA) मामलों में जमानत दे सकती हैं। कोर्ट ने कहा खालिद की जमानत याचिका खारिज करते समय कोर्ट ने इस फैसले पर ध्यान नहीं दिया था।

कोर्ट बोला- छोटी बेंच को बड़ी बेंच के फैसले मानने पड़ेंगे:

सुनवाई के दौरान कोर्ट ने कहा कि जब कोई बड़ी बेंच फैसला सुना देती है तो छोटी बेंच को उसे मानना ही पड़ेगा। आजकल ऐसा देखा जा रहा है कि छोटी बेंच सीधे-सीधे मना तो नहीं करतीं, लेकिन घुमा-फिराकर बड़े फैसले के असर को कमजोर कर देती हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने एक साल तक अपील करने पर रोक लगाई थी:

इस साल 4 जनवरी को जस्टिस अरविंद कुमार और जस्टिस एनवी अंजारिया की बेंच ने उमर खालिद और शरजील इमाम की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। कोर्ट ने फैसले को रीव्यू करने से भी मना कर दिया था। कहा था कि दोनों आरोपी एक साल तक दिल्ली दंगे मामले में जमानत याचिका दाखिल नहीं कर सकते।

वंदे मातरम के विरोध पर भड़कीं बंगाल की मंत्री, जमीयत के आरोपों पर बोलीं- बंगाल में रहना है तो

पश्चिम बंगाल एजेंसी। जमीयत उलेमा ए हिंद ने पश्चिम बंगाल में स्कूलों में वंदे मातरम अनिवार्य किए जाने समेत सरकार के कई फैसलों का विरोध किया है। उन्होंने कहा है कि इसे लेकर कानूनी और लोकतांत्रिक जंग जारी रहेगी। इसपर बंगाल सरकार में मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। उन्होंने कहा है कि अगर किसी को भारत मां की संतान होने में परेशानी है, तो वह किसी और देश में रह सकता है। साथ ही का है कि भारतीय न्याय संहिता सभी पर समान रूप से लागू होती है।

मंत्री ने किया पलटवार: मंत्री अग्निमित्रा पॉल ने जमीयत उलेमा ए हिंद के प्रमुख मौलाना अरशद मदनी के दावों पर पलटवार किया है। एक रैली में आज तक से बातचीत में उन्होंने कहा, देखिए भारत को हम लोग मां समझते हैं, मानते हैं, जैसे हमारी मां होते हैं। वैसे जिस मिट्टी ने हमको खिलाया और पिलाया, आज उनको भी हम लोग मां मानते हैं। जो लोग भारत को मां कहने के लिए झिझकते हैं, जो अदालत जाते हैं, उनको देश में रहने का कोई हक नहीं है। उन्होंने कहा, भारत के संतान सब हैं, सब धर्म के लोग भारत मां के संतान है। वो जो नहीं मानते हैं कि भारत उनका मां है, तो उन लोगों को इस देश में रहने का अधिकार नहीं है। यह देश उनके लिए नहीं है, आप दूसरे देश चले जाइए। मुसलमानों को निशाना बनाने के आरोपों पर उन्होंने कहा, किसी धर्म के लोगों को निशाना नहीं बनाया जा रहा है। आज भारतीय न्याय संहिता में जो लिखा है, वो सभी के लिए है। क्या हिंदू, क्या मुसलमान... सभी के लिए है। बंगाल में रहना है, तो भारतीय न्याय संहिता को मानना है। अगर नहीं मानना है, तो भारत के बाहर जाना है।

जमीयत ने लगाए ये आरोप : मौलाना मदनी ने लिखा, देश को योजनाबद्ध तरीके से एक वैचारिक राष्ट्र में बदलने की कोशिश की जा रही है। समान नागरिक संहिता, वंदे मातरम् को अनिवार्य बनाना, मस्जिदों और मदरसों के खिलाफ कार्रवाइयां तथा एसआईआर की आड़ में वास्तविक नागरिकों को मताधिकार से वंचित करने जैसे कदम इसी सिलसिले की कड़ियां हैं। जमीयत उलमा-ए-हिंद इन सभी कदमों के खिलाफ अपनी कानूनी और लोकतांत्रिक लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने लिखा, देश के वर्तमान हालात, बढ़ती सांप्रदायिकता, संवैधानिक संस्थाओं की चुप्पी, मुसलमानों और इस्लामी प्रतीकों के खिलाफ बढ़ते कदम तथा नफरत आधारित राजनीति अत्यंत चिंताजनक है। हालांकि मुसलमान न कभी झुका है और न कभी झुकेगा। वह प्रेम से झुक सकता है, लेकिन ताकत, धमकी और अत्याचार के सामने उसे कभी झुकाया नहीं जा सकता। देश में नफरत की राजनीति अब धमकी की राजनीति में बदल चुकी है, जिसका उद्देश्य मुसलमानों को भयभीत करके उन्हें अपनी शर्तों पर जीवन बिताने के लिए मजबूर करना है।

पश्चिम बंगाल सरकार पर साधा निशाना : उन्होंने लिखा, पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री का यह बयान कि वे सिर्फ हिंदुओं के लिए काम करेंगे संवैधानिक और लोकतांत्रिक मूल्यों के पूरी तरह विरुद्ध है, क्योंकि हर मुख्यमंत्री शपथ लेकर सभी नागरिकों के साथ न्याय करने का संकल्प लेता है।

झसत्ता में बैठे लोगों की जिम्मेदारी हर नागरिक के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करना है, न कि किसी विशेष वर्ग के खिलाफ नफरत और विभाजन की राजनीति करना।

बंगाल सरकार का ऐलान

हाल ही में पश्चिम बंगाल सरकार ने सभी सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों में सुबह की सभा के दौरान राष्ट्रगीत वंदे मातरम का गायन अनिवार्य कर दिया है। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा जारी निर्देश के अनुसार स्कूल शुरू होने पर होने वाली सभा में हर विद्यार्थी के लिए राष्ट्रगीत के गायन में भाग लेना अनिवार्य है। शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों को इस आदेश का सख्ती से पालन कराने का निर्देश दिया गया है।
शिक्षा निदेशक द्वारा 13 मई को सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के प्रमुखों को भेजे गए पत्र में स्पष्ट किया गया है कि कक्षाओं की शुरुआत से पहले सुबह की सभा में वंदे मातरम का गायन अनिवार्य किया जाना चाहिए ताकि राज्य के सभी स्कूलों में तत्काल प्रभाव से सभी बच्चे इसे गाएं।

शुभेंदु अधिकारी को मिली अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों की लिस्ट, 2 दर्जन ठिकाने रडार पर

कोलकाता, एजेंसी। तृणमूल कांग्रेस सांसद और ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों की जांच चल रही है। खबर है कि कोलकाता नगर निगम के अधिकारी अपने रिकॉर्ड्स खंगाल रहे हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। वहीं, मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने अभिषेक से जुड़ी कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स का जिक्र किया था। साथ ही इससे जुड़ी दो दर्जन कंपनियों की सूची मिलने का दावा किया था। टेलीग्राफ की रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया है कि चस्ष्ट के इंजीनियर और अधिकारी बीते कुछ दिनों से उन संपत्तियों की पहचान करने में जुटे हुए हैं, जो अभिषेक बनर्जी या उनके परिवार के सदस्यों की हैं। केएमसी अधिकारियों ने रविवार को भी काम किया था।

कहां तक पहुंची जांच :अधिकारियों और इंजीनियरों को आदेश दिया गया है कि वे नगर निगम के प्रॉपर्टी रिकॉर्ड्स की बारीकी से जांच करें। उन्हें अभिषेक बनर्जी, उनके माता-पिता या उनकी कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स से जुड़ी सभी संपत्तियों का पता लगाने के लिए कहा गया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया कि यह काम पिछले हफ्ते ही शुरू हो चुका है। दरअसल, इस जांच के घेरे में लीप्स एंड बाउंड्स नाम की एक प्राइवेट कंपनी भी आई है, जिसका कनेक्शन अभिषेक बनर्जी से बताया जा रहा है। आरोप है कि यह कंपनी शिक्षक भर्ती घोटाले से जुड़ी हो सकती है। हालांकि, अभिषेक ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है और इसे राजनीति से प्रेरित बताया है।

ष्टरू शुभेंदु अधिकारी ने किया जिक्र : फाल्टा में भाजपा कार्यकर्ताओं की रैली को संबोधित करते हुए अधिकारी ने ने कहा कि उन्हें लीप्स एंड बाउंड्स नामक निजी कंपनी की संपत्तियों से संबंधित फाइल मिल गई हैं, जो कथित रूप से बनर्जी से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि जल्दी ही इनकी जांच शुरू की जाएगी। उन्होंने कहा, मैंने कोलकाता नगर निगम से फाइल मांगी थीं और मुझे दक्षिण 24 परगना जिले के आमतला में स्थित लीप्स एंड बाउंड्स के एक आलीशान कार्यालय समेत 24 संपत्तियों का विवरण मिल गया है। अब मेरे पास भतीजे की संपत्तियों की सूची है और जल्द ही मैं उनकी जांच शुरू कराऊंगा।

नक्शों की हो रही है जांच : रिपोर्ट के अनुसार, सूत्रों ने बताया कि सबसे पहले नगर निगम के एसेसमेंट डिपार्टमेंट ने अपने कागजातों को खंगाला। वहां से उन्होंने अभिषेक बनर्जी के नाम पर दर्ज संपत्तियों के पते और उनके मकान नंबर निकाले। इसके बाद, यह लिस्ट नगर निगम के ही भवन निर्माण विभाग को सौंप दी गई। अब इस विभाग ने अपने रिकॉर्ड्स चेक किए ताकि यह पता लगाया जा सके कि इन संपत्तियों को बनाने के लिए सरकारी नक्शा पास कराया गया था या नहीं।

शरीर और मन को स्वस्थ रखने में बेहद प्रभावी है पादहस्तासन

नई दिल्ली ,एजेंसी। आजकल बुजुर्गों और युवाओं के शरीर में अकड़न, कम ऊर्जा और पाचन संबंधी समस्याएं तेजी से बढ़ रही हैं। इन समस्याओं को देखते हुए आयुष मंत्रालय ने योग को दैनिक जीवन में शामिल करने की सलाह दी है। पादहस्तासन एक ऐसा योगासन है जो शरीर और मन दोनों को स्वस्थ रखने में बेहद प्रभावी माना जाता है। इस बारे में आयुष मंत्रालय का कहना है कि तनाव, शरीर में जकड़न और खराब पाचन जैसी समस्याएं धीरे-धीरे शरीर पर असर डालती हैं। पादहस्तासन इन परेशानियों से राहत दिलाने वाला आसान लेकिन असरदार आसन माना जाता है। इसके नियमित अभ्यास से शरीर का लचीलापन बढ़ता है, मांसपेशियों में खिंचाव आता है और शरीर को नई ऊर्जा मिलती है। यह आसन खासतौर पर उन लोगों के लिए फायदेमंद बताया जाता है जो लंबे समय तक बैठकर काम करते हैं या जिन्हें पीठ और कमर दर्द की शिकायत रहती है। विशेषज्ञों के अनुसार, पादहस्तासन के दौरान आगे की ओर झुकने से कमर, पीठ और पैरों की मांसपेशियों में गहरा खिंचाव आता है, जिससे अकड़न कम होती है। यह आसन रक्त संचार को बेहतर बनाने में भी मदद करता है, जिससे पूरे शरीर में ऊर्जा का प्रवाह बढ़ता है और थकान कम महसूस होती है। इसके अलावा पेट के अंगों पर पड़ने वाला हल्का दबाव पाचन क्रिया को सक्रिय करता है, जिससे कब्ज और अपच जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है। योग विशेषज्ञ मानते हैं कि पादहस्तासन केवल शारीरिक स्वास्थ्य ही नहीं बल्कि मानसिक संतुलन के लिए भी लाभकारी है। नियमित अभ्यास से तनाव कम होता है, मन शांत रहता है ।

विजय की नजरें अब केरल पर

चैन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु में शानदार राजनीतिक शुरुआत के विजय की पार्टी टीवीके की केरल में एंट्री की चर्चाएं जोरों पर हैं। केरल के पलक्कड़ और वायनाड में लगातार फैंस मीटिंग्स ने इस अटकल को हवा दी है वायनाड में विजय के प्रशंसकों के समूह ने पिछले सप्ताह स्थानीय टीवीके यूनिट बनाने की कोशिश शुरू की थी रविवार को पलक्कड़ में भी उनके फैंस की बैठक हुई, जिसमें ज्यादातर युवा और महिलाएं शामिल थीं। टीवीके केरल यूनिट की अफवाहों ने सोशल मीडिया पर तेजी से फैलाव पाया है, हालांकि पार्टी की तरफ से अभी कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई है। केरल में विजय के सैकड़ों फैन एसोसिएशन पहले से सक्रिय हैं, जो थलापति विजय मक्कल इयक्कम के बैनर तले कल्याणकारी कार्य चलाते रहे हैं अब इसे टीवीके नाम से जाना जा रहा है। ये संगठन अभी केरल में

राजनीतिक पार्टी के रूप में आधिकारिक तौर पर रजिस्टर्ड नहीं हैं और तमिलनाडु के टीवीके नेताओं के निर्देश का इंतजार कर रहे हैं। विजय के शपथ ग्रहण समारोह के दौरान केरल के विभिन्न हिस्सों में उनके प्रशंसकों ने भव्य जश्न मनाया। फैंस में इस बात को लेकर आशावाद है कि पार्टी राज्य में अच्छा समर्थन हासिल कर सकती है।

तमिलनाडु में सफलता से खुला रास्ता : युवा वर्ग कांग्रेस में मुख्यमंत्री चयन में हो रही देरी से भी नाराज दिख रहा है, जिससे वे पड़ोसी राज्य के स्टार लीडरशिप की ओर आकर्षित हो रहे हैं। 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में टीवीके ने 108 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी का दर्जा हासिल किया और सीपीआई, सीपीआईएम, आईयूएमएल व वीसीके के साथ गठबंधन सरकार बनाई। यह राज्य की राजनीति में निर्णायक बदलाव साबित हुआ। केरल में भी टीवीके केरल स्टेट कमिटी और टीवीके केरल वीमेंस कमिटी जैसे अनऑफिशियल सोशल मीडिया हैंडल्स सक्रिय हो गए हैं। इन पेजों पर हजारों फॉलोअर्स बढ़ गए हैं, जो विजय की केरल में विशाल फैनबेस को दर्शाता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, कई टीवीके ग्रुप्स राज्य के विभिन्न जिलों में मोबिलाइजेशन कर रहे हैं। हालांकि आधिकारिक पुष्टि के अभाव में यह सब फैंस की पहल पर चल रहा विजय की लोकप्रियता अब राजनीतिक विस्तार की दिशा में बढ़ रही है केरल के फैंस मीटिंग्स में शामिल युवा और महिलाएं पार्टी के भविष्य को लेकर उत्साहित नजर आ रहे हैं अगर टीवीके केरल में एंट्री करती है तो दक्षिण भारत की राजनीति में नया समीकरण बन सकता है। फिलहाल फैंस निर्देशों का इंतजार कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर चर्चाएं जारी हैं।

गुजरात में कार से मिले 2.5 करोड़ रुपये नकद, आयकर विभाग करेगा जांच

वडोदरा, एजेंसी। गुजरात के दाहोद में वाहनों की नियमित जांच के दौरान एक कार से 2.56 करोड़ रुपये से अधिक की नकदी जब्त की गई। पुलिस उपाधीक्षक एके कलास्वा ने बताया कि शनिवार को धनपुर चौकी के पास कार को रोका गया। इसके बाद जब कार की जांच की गई तो कार में एक पार्सल मौजूद था और नकदी भी मिली। यह पैसा दाहोद की एक अंगड़िया (पारंपरिक कूरियर) कंपनी से वडोदरा ले जाया जा रहा था। वाहन चालक राजू निनामा नकदी के स्त्रोत और परिवहन के संबंध में कोई दस्तावेज या सबूत पेश नहीं कर सका। अधिकारी ने बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) के तहत लिमखेड़ा पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है, जबकि आयकर विभाग को नकदी के स्त्रोत और संभावित वित्तीय अनियमितताओं की आगे जांच करने के लिए सूचित किया गया है।

300 से ज्यादा मिलिट्री ड्रोन और ईरानी कनेक्शन... क्या सच में अमेरिका पर हमले की तैयारी कर रहा क्यूबा

हवाना एजेंसी। क्यूबा देश को लेकर एक चौंकाने वाली जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप प्रशासन क्यूबा को एक संभावित खतरा मान रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि खुफिया जानकारी से पता चला है कि हवाना ने 300 से ज्यादा मिलिट्री ड्रोन हासिल कर लिए हैं और अमेरिकी ठिकानों पर ड्रोन से हमला करने की तैयारी में है। इस रिपोर्ट में खुफिया जानकारी और अमेरिका के सीनियर अधिकारियों के हवाले से बताया गया कि क्यूबा के अधिकारियों ने हाल ही में ऐसी योजनाओं पर चर्चा की है, जिनमें तनाव बढ़ने पर ग्वांतानामो बे नेवल बेस पर मौजूद अमेरिकी नौसेना के अड्डे, अमेरिकी मिलिट्री जहाजों और यहां तक कि फ्लोरिडा के की वेस्ट पर भी हमले किए जा सकते हैं।

हमले को लेकर वॉशिंगटन चिंतितः वहीं, वॉशिंगटन इस बात को लेकर चिंतित है कि इस तरह की टेक्नोलॉजी अमेरिका के इतने करीब मौजूद हैं। खासकर तब जब हवाना में कथित तौर पर ईरानी मिलिट्री सलाहकार मौजूद हैं और क्यूबा के रूस और ईरान के साथ रक्षा संबंध लगातार मजबूत हो रहे हैं। एक अधिकारी ने कहा, जब हम इस तरह की टेक्नोलॉजी के इतने करीब होने के बारे में सोचते हैं, और साथ ही आतंकी संगठनों से लेकर ड्रग कार्टेल, ईरानियों और रूसियों जैसे कई बुरे तत्वों के बारे में सोचते हैं, तो यह चिंता का विषय बन जाता है। इसके साथ ही यह एक बढ़ता हुआ खतरा है। इसके साथ ही सीआइए के डायरेक्टर जॉन रैटक्लिफ गुरुवार को क्यूबा के दौरे पर गए और वहां के अधिकारियों को किसी भी तरह की शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल न होने की चेतावनी दी। उन्होंने हवाना से यह भी आग्रह किया कि वह अमेरिका द्वारा लगाए गए कड़े प्रतिबंधों को खत्म करवाने के लिए अपनी तानाशाही सरकार को छोड़ दे।

इमरान खान को पाकिस्तान की सत्ता से बेदखल करने में अमेरिका का हाथ था

इस्लामाबाद, एजेंसी। क्या पीटीआई के अध्यक्ष इमरान खान को पाकिस्तान की सत्ता से बेदखल करने में अमेरिका का हाथ था? ये सवाल फिर एक बार से सामने आया है। क्योंकि एक क्लासिफाइड हाई-लेवल पाकिस्तानी डिप्लोमैटिक टेलीग्राम सामने आया है, जो इस बात का पक्का संकेत देता है कि इस्लामाबाद में इमरान खान के नेतृत्व वाली सरकार को गिराने के लिए अमेरिका समर्थित एक कथित साजिश रची गई थी। ड्रॉप साइट न्यूज रिपोर्ट के अनुसार, 7 मार्च, 2022 का यह सीक्रेट डिप्लोमैटिक दस्तावेज उस राजनीतिक उथल-पुथल में अमेरिका की कथित संलिप्तता के सबूत के तौर पर पेश किया जा रहा है जिसके चलते आखिरकार इमरान को सत्ता से हटना पड़ा।

क्या है पूरा मामलाः यह घटनाक्रम ऐसे समय में फिर से सुर्खियों में आया है, जब पाकिस्तान और अमेरिका के बीच संबंध एक बार फिर चर्चा का विषय बने हुए हैं। इसकी वजह यह है कि इस्लामाबाद, वॉशिंगटन और ईरान के बीच चल रहे क्षेत्रीय संकट को सुलझाने के लिए मध्यस्थता करने की कथित कोशिशें कर रहा है। पाकिस्तान में अभी शहबाज शरीफ की सरकार है, जो इमरान खान के विरोधी खेमे से आते हैं। वहीं देश की शक्तिशाली सैन्य व्यवस्था की कमान सेना प्रमुख आसिम मुनीर के हाथों में है, जिन्हें उनका विरोधी माना जाता है।

दस्तावेज में क्या दावा किया गयाः रिपोर्ट के अनुसार, आइ-0678 नंबर वाला यह दस्तावेज पाकिस्तान के तत्कालीन वॉशिंगटन दूत असद मजीद खान ने दक्षिण और मध्य एशिया के लिए तत्कालीन अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री डोनाल्ड लू के साथ लंच मीटिंग के बाद इस्लामाबाद भेजा था।

एनडीएमसी उपाध्यक्ष और सांसद मनोज तिवारी ने ईवी ऑटो में किया सफर

नई दिल्ली ,एजेंसी। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद (एनडीएमसी) के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद मनोज तिवारी के साथ सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) ऑटो का उपयोग किया। साथ ही कहा कि एनडीएमसी क्षेत्र में कार पार्किंग में इलेक्ट्रिक वाहनों के उपयोगकर्ताओं को पार्किंग शुल्क पर 50 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने चाणक्यपुरी स्थित अपने आधिकारिक आवास से इलेक्ट्रिक ऑटो में सवार होकर मदर टेरेसा क्रिसेंट से मनोज तिवारी को लिए और फिर सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन के लिए रवाना हुए। दोनों नेताओं ने पालिका बाजार पर यात्रियों से बातचीत की। उन्होंने दिल्ली मेट्रो के उन यात्रियों के प्रति आभार व्यक्त किया जिन्होंने सार्वजनिक परिवहन को अपने यात्रा के प्राथमिक साधन के रूप में अपनाया है। सेवा तीर्थ मेट्रो स्टेशन तक पहुंचने के लिए ईवी ऑटो का इस्तेमाल करने पर एनडीएमसी के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'राष्ट्र पहले, ईंधन बचाओ' का नारा दिया है, इसलिए आज मनोज तिवारी के साथ ऑटो पूल करके कनॉट प्लेस जाएंगे और मेट्रो का इस्तेमाल करेंगे। उन्होंने बताया कि वह कई दिनों से मेट्रो और ऑटो में सफर कर रहे हैं इसलिए कोई गर्मी महसूस नहीं हो रही है। एनडीएमसी उन लोगों का भी अभिवादन करेगी जो सार्वजनिक परिवहन का इस्तेमाल करते हैं। उन्होंने कहा कि एनडीएमसी अपनी खुद की बस शटल सेवा शुरू की है। मनोज तिवारी ने कहा कि यह प्रधानमंत्री की पहल है और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में हम इसे दिल्ली में लागू कर रहे हैं।

ईरान में बहाई समुदाय के खिलाफ कार्रवाई के मामले बढ़े

विरोध को बेरहमी से कुचल रही इस्लामिक सरकार

तेहरान एजेंसी। भारत में बहाई समुदाय के लोग ईरान में चल रहे युद्ध से बहुत दुखी है। दरअसल, युद्ध के कारण ईरानी बहाइयों पर अत्याचार बढ़ गया है। कई भारतीय बहाई मूल रूप से ईरान से ही आए थे और आज भी उनके रिश्तेदार उस देश में रहते हैं। भारत में बहाई समुदाय के लोग ईरान में चल रहे युद्ध से बहुत दुखी है। दरअसल, युद्ध के कारण ईरानी बहाइयों पर अत्याचार बढ़ गया है। कई भारतीय बहाई मूल रूप से ईरान से ही आए थे और आज भी उनके रिश्तेदार उस देश में रहते हैं। इस्लामिक रिपब्लिक सरकार ने इस संघर्ष के दौरान अपनी पकड़ और मजबूत कर ली है और किसी भी अंदरूनी विरोध को बेरहमी से कुचल रही है; ऐसे में ईरानी बहाइयों पर यह सख्ती बहुत ज्यादा बढ़ी हुई है, जो देश का सबसे बड़ा गैर-मुस्लिम अल्पसंख्यक समुदाय है।

ईरान में संकट आने पर बहाइयों की बढ़ जाती है मुसीबतः बहाई पब्लिक अफेयर्स ऑफिस की प्रतिनिधि नीलाक्षी राजखोवा ने कहा, ईरानी बहाइयों पर अत्याचार का एक लंबा इतिहास रहा है, जो 1979 की इस्लामिक क्रांति के बाद एक सुनियोजित सरकारी नीति बन गया। जब भी ईरान में कोई संकट आता है, तो बहाइयों को बलि का बकरा बनाया जाता है। इस्लामिक रिपब्लिक का संविधान तो बहाई धर्म को मान्यता भी नहीं देता, और 1991 में तो एक ऐसा मेमोरेंडम भी जारी किया गया था। जिसमें बहाइयों के विकास को हर तरफ से रोकने की बात कही गई थी। इस्लामिक रिपब्लिक ने लंबे समय से बहाइयों को उनके बुनियादी अधिकारों से वंचित रखा है, जैसे कि शिक्षा का अधिकार, सरकारी नौकरी का अधिकार, और यहां तक कि अपने मृतकों को दफनाने के लिए कब्रिस्तान का अधिकार भी नहीं दिया है।

हालिया संघर्ष के दौरान, दर्जनों बहाइयों को बिना किसी उचित कानूनी प्रक्रिया के हिरासत में लिया गया है, उन पर आरोप लगाए गए हैं या उन पर मुकदमा चलाया गया है। इनमें चचेरे भाई-बहन पैवंद और बोरना नईमी भी शामिल हैं।

गिरफ्तारी के बाद वकील भी नहीं दिया जाताः ईरान ह्यूमन राइट्स के अनुसार, 30 वर्षीय पैवंद को 8 जनवरी को केरमान में गिरफ्तार किया गया था। उन पर अन्य ईरानी युवाओं को विरोध प्रदर्शन के लिए उकसाने का आरोप लगाया गया था। उन्हें कोई वकील नहीं दिया गया और खबरों के मुताबिक, हिरासत के दौरान उन्हें तरह-तरह की यातनाएं दी गई।

जिसमें मॉक एग्जीक्यूशन (नकली फांसी) भी शामिल थी। वहीं, बोरना को 1 मार्च को गिरफ्तार किया गया था और उन्हें भी इसी तरह की यातनाएं दी गई। बहाई इंटरनेशनल कम्युनिटी और एमनेस्टी इंटरनेशनल के अनुसार, अधिकारियों ने इन चचेरे भाई-बहनों पर अत्यधिक दबाव डालकर उनसे तीन सुरक्षाकर्मियों की हत्या का झूठा इकबालिया बयान जबरन ले लिया।

इजरायल के लिए जासूसी करने का आरोपः ईरान में बहाइयों पर सबसे आम आरोप यह लगाया जाता है कि वे इजरायल के इशारे पर जासूसी करते हैं। बहाई धर्म के संस्थापक, बहाउल्लाह को 19वीं सदी में देश निकाला दिया गया था, और उनकी अंतिम विश्राम स्थली आज के इजरायल में हाइफा के पास है। इसी वजह से इस्लामिक गणराज्य की सरकार बहाइयों को इजरायल से जोड़ती रहती है। लेकिन उस समय तो आधुनिक इजरायल का अस्तित्व भी नहीं था; वह पुराने ओटोमन साम्राज्य का हिस्सा था। ईरानी मूल की एक और भारतीय बहाई, रोमिना (बदला हुआ नाम) ने कहा, 1980 में मेरी बहन को उसके एक महीने के बच्चे के साथ गिरफ्तार करके जेल में डाल दिया गया था। उस समय उसका एक दो साल का बच्चा भी था, जिसे उसे घर पर बिल्कुल अकेला छोड़ना पड़ा। मेरी बहन का गुनाह क्या था? उस पर बच्चों को पढ़ाने का आरोप लगाया गया था। ईरानी सरकार बहाइयों को नास्तिक मानती है, और इसलिए उन्हें पढ़ाने से रोक दिया जाता है, खासकर नैतिक शिक्षा की कक्षाएं लेने से।

किसान कल्याण वर्ष 2026 : सीधी से रवाना हुआ कृषि रथ, 10 दिनों तक गांव-गांव पहुंचकर किसानों को देगा वैज्ञानिक खेती का मार्गदर्शन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। किसान कल्याण वर्ष 2026 के अंतर्गत किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, वैज्ञानिक खेती और शासन की किसान हितैषी योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से सीधी जिले में कृषि जागरूकता अभियान की शुरुआत की गई जनपद पंचायत सीधी परिसर में आयोजित कृषि चौपाल कार्यक्रम में सांसद Dr. Rajesh Mishra ने कृषि रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया यह कृषि रथ आगामी 10 दिनों तक जिले के विभिन्न गांवों में भ्रमण कर किसानों को आधुनिक खेती और कृषि योजनाओं की जानकारी देगा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. राजेश मिा ने कहा कि किसान देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और उनकी समृद्धि सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है उन्होंने कहा कि बदलते समय में खेती केवल पारंपरिक अनुभव तक सीमित नहीं रह गई है बल्कि विज्ञान, तकनीक और नवाचार के माध्यम से इसे अधिक लाभकारी और आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है सरकार का उद्देश्य है कि किसानों तक सही समय पर सही जानकारी पहुंचे, ताकि वे बेहतर निर्णय लेकर अपनी आय और उत्पादन दोनों बढ़ा सकें कृषि रथ के माध्यम से कृषि वैज्ञानिक और विभागीय विशेषज्ञ गांव-गांव जाकर किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, फसल प्रबंधन, जैविक खेती, संतुलित उर्वरक उपयोग, जल संरण, सिंचाई प्रबंधन, गुणवत्तायुक्त बीज चयन और शासन की विभिन्न योजनाओं की जानकारी देंगे इसके साथ ही किसानों की समस्याओं का मौके पर समाधान और तकनीकी मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा सांसद ने कहा कि खरीफ सीजन निकट है और सीधी जिले में धान की खेती बड़े पैमाने पर होती है ऐसे समय में किसानों को मिट्टी परीण, उर्वरक प्रबंधन, बीज चयन और जल संरण जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां मिलना बेहद आवश्यक है उन्होंने किसानों से परंपरागत खेती के साथ-साथ आधुनिक तकनीकों को अपनाने और कृषि को बहुआयामी आजीविका के रूप में विकसित करने का आह्वान किया डॉ. मिा ने कृषि विविधीकरण को किसानों की आय बढ़ाने का मजबूत माध्यम बताया। उन्होंने कहा कि यदि किसान धान जैसी पारंपरिक फसलों के साथ उद्यानिकी दलहन-तिलहन, जैविक खेती और अन्य आयवर्धक गतिविधियों को अपनाएं तो खेती अधिक लाभकारी बन सकती है उन्होंने यह भी कहा कि कृषि रथ केवल जानकारी देने का माध्यम नहीं होगा बल्कि खेत स्तर पर समस्याओं की पहचान कर समाधान उपलब्ध कराने का भी कार्य करेगा उन्होंने जैविक खेती को समय की आवश्यकता बताते हुए कहा कि रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक उपयोग से मिट्टी की उर्वरता प्रभावित हो रही है इसलिए संतुलित और जैविक खेती को बढ़ावा देना जरूरी है ताकि आने वाली पीढ़ियों के लिए कृषि भूमि सुरति और उपजाऊ बनी रहे सांसद ने प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री 1 के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र और राज्य सरकार किसानों के हित में लगातार कार्य कर रही उन्होंने सीधी जिले को प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना में शामिल किए जाने को किसानों के लिए बड़ी उपलब्धि बताया कार्यक्रम में बड़ी संख्या में किसान, जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी तथा कृषि विभाग के अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित रहे किसानों ने इस पहल का स्वागत करते हुए इसे खेती को नई दिशा देने वाला महत्वपूर्ण अभियान बताया।

समर कैंप में बच्चों को मिल रहा टेबल टेनिस का विशेष प्रशिण, नई तकनीकों से निखर रही प्रतिभा

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। खेल एवं युवक कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश शासन तथा रीवा डिस्ट्रिक्ट टेबल टेनिस के संयुक्त तत्वावधान में श्याम शाह मेडिकल कॉलेज के स्पोर्ट्स हॉल में आयोजित समर कैंप में बच्चों को टेबल टेनिस की आधुनिक तकनीकों का विशेष प्रशिण दिया जा रहा है इस प्रशिण शिविर में बड़ी संख्या में बालक एवं बालिकाएं उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं और प्रतिदिन खेल की नई-नई तकनीकें सीखकर अपने कौशल को निखार रहे हैं शिविर में सिविल सर्विसेज खिलाड़ी एवं कोच डॉ. विनोद तिवारी तथा प्रशिक असद खान द्वारा बच्चों को टेबल टेनिस की बारीकियों से अवगत कराया जा रहा है दोनों प्रशिक लंबे समय से खिलाड़ियों को निरंतर प्रशिण दे रहे हैं डॉ. विनोद तिवारी ने बताया कि आगामी 30 एवं 31 मई 2026 को स्वर्गीय प्रोफेसर उमा परौहा टेबल टेनिस चैंपियनशिप का आयोजन स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स रीवा में किया जाएगा इस प्रतियोगिता में रीवा, सतना, सीधी, शहडोल, कटनी, बुढ़ार, पन्ना एवं छतरपुर संभाग के खिलाड़ी हिस्सा लेंगे प्रतियोगिता में 6 वर्ष से 70 वर्ष तक के विभिन्न आयु वर्गों की स्पर्धाएं आयोजित की जाएंगी यह प्रतियोगिता अपने 29वें वर्ष में प्रवेश कर रही है और इसे रीवा ेत्र में टेबल टेनिस को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण मंच माना जाता है इस आयोजन में समाजसेवी एवं चिकित्सक डॉ. के.के. परौहा का विशेष योगदान रहा है जिन्होंने खेल को बढ़ावा देने में निरंतर सहयोग दिया है। शिविर के दौरान डॉ. एस.के. शर्मा, एवं डॉ. रिचा सिंह ने भी खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया और उन्हें नई तकनीकों की जानकारी दी यह समर कैंप बच्चों की खेल प्रतिभा को निखारने और उन्हें राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं के लिए तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

विस्थापित 136 परिवारों को मिला मालिकाना हक, मऊगंज में पुनर्वास की ऐतिहासिक पहल

मीडिया ऑडीटर, मऊगंज (निप्र)। मुख्यमंत्री के निर्देश और सबको आवास, सबको सम्मान नीति के तहत नवगठित मऊगंज जिले में विस्थापित 136 परिवारों को स्थायी भू-अधिकार प्रदान किए गए प्रशासनिक भवनों-कलेक्ट्रेट, एसपी कार्यालय, जिला न्यायालय, जिला पंचायत और आवासीय परिसर निर्माण के लिए विस्थापित इन परिवारों को लॉटरी प्रणाली के माध्यम से पारदर्शी तरीके से भूमि के पट्टे वितरित किए गए कार्यक्रम में कलेक्टर संजय कुमार जैन की उपस्थिति में यह प्रक्रिया संपन्न हुई जिसमें सुनिश्चित किया गया कि किसी भी विस्थापित परिवार को असुविधा का सामना न करना पड़े इस पहल को जिले में सामाजिक न्याय और पुनर्वास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है इस पुनर्वास प्रक्रिया के तहत कुल 136 परिवारों को मालिकाना हक मिला जिनमें अनुसूचित जनजाति के 76, पिछड़ा वर्ग के 34, अनुसूचित जाति के 25 और सामान्य वर्ग का परिवार शामिल है। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी वर्गों को समान अवसर और न्यायपूर्ण पुनर्वास प्रदान किया गया है विधायक ने मुख्यमंत्री के इस निर्णय की सराहना करते हुए कहा कि सरकार की प्राथमिकता अंतिम पंक्ति के व्यक्ति का उत्थान है उन्होंने बताया कि विस्थापित ेत्र को आधुनिक मॉडल कॉलोनी के रूप में विकसित किया जा रहा है जहां पेयजल पाइपलाइन, चौड़ी सड़कें, जल निकासी व्यवस्था और स्ट्रीट लाइट जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। नगर परिषद द्वारा मोबाइल ऐप के माध्यम से प्रकरण तैयार कर शासन को भेजे जा रहे हैं ताकि पात्र हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत शीघ्र लाभ मिल सके इसके साथ ही सामुदायिक भवन, बच्चों के लिए खेल मैदान और श्मशान घाट निर्माण का प्रस्ताव भी भेजा गया है पूरे ेत्र को ग्रीन जोन के रूप में विकसित करने के लिए वृारोपण अभियान भी चलाया जाएगा कार्यक्रम में विस्थापित परिवारों ने सरकार के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अब उन्हें स्थायी आवास और सुरति भविष्य की उम्मीद मिली है प्रशासन ने इसे विस्थापन से पुनर्वास तक की एक सफल और संवेदनशील प्रक्रिया बताया है जिसमें विकास और सामाजिक न्याय दोनों का संतुलन रखा गया है इस अवसर पर अपर कलेक्टर पी.के. पाण्डेय, अतिरिक्त पुलिस अधीक विक्रम सिंह, नगर परिषद अध्य बृजवासी पटेल, एसडीएम मऊगंज आर.पी. द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीण को लेकर स्टैंडिंग कमेटी की बैठक संपन्न, नए मतदाताओं के नाम जोड़ने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। नगरीय निकायों एवं पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची पुनरीण वर्ष 2026 के तहत कलेक्ट्रेट सभागार में कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी की अध्यता में स्टैंडिंग कमेटी की बैठक आयोजित की गई बैठक में जनप्रतिनिधियों, मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों तथा संबंधित अधिकारियों को मतदाता सूची पुनरीण कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई बैठक में बताया गया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 15 मई 2026 को प्रारंभिक मतदाता सूची का प्रकाशन किया जा चुका है इसके साथ ही दावे और आपत्तियां प्राप्त करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है जो 25 मई 2026 को अपराह्न 3 बजे तक जारी रहेगी इस अवधि में नागरिक अपने नाम जोड़ने, सुधार कराने या आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया पूरी कर सकते हैं कलेक्टर ने बैठक में उपस्थित सभी जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया कि वे इस मतदाता सूची पुनरीण कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार करें ताकि अधिक से अधिक पात्र नागरिकों के नाम सूची में शामिल हो सकें उन्होंने विशेष रूप से ऐसे युवाओं को प्रेरित करने पर जोर दिया जिनकी आयु 1 जनवरी 2026 को 18 वर्ष पूर्ण हो चुकी है ताकि वे अपने मताधिकार का उपयोग कर सकें साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि मृतक अथवा स्थायी रूप से अन्य स्थानों पर स्थानांतरित हो चुके मतदाताओं के नाम सूची से हटाने में सहयोग दिया जाए जिससे मतदाता सूची अधिक सटीक, अद्यतन और पारदर्शी बन सके प्रशासन ने इस कार्य को लोकतांत्रिक प्रक्रिया की मजबूती के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। बैठक में राजनीतिक दलों को बूथ लेवल एजेंट नियुक्त करने के निर्देश और उनके दायित्वों की विस्तृत जानकारी भी दी गई अधिकारियों ने कहा कि बीएलए की सक्रिय भूमिका से पुनरीण कार्य अधिक पारदर्शी और व्यवस्थित तरीके से संपन्न होगा तथा किसी भी प्रकार की त्रुटियों को समय रहते सुधारा जा सकेगा।

वर्षा पूर्व तैयारियों को लेकर प्रशासन अलर्ट, कलेक्टर ने बाढ़ नियंत्रण और आपदा प्रबंधन के दिए सख्त निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। आगामी वर्षा ऋतु को ध्यान में रखते हुए कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समीा बैठक में कलेक्टर ने जिले की आपदा प्रबंधन और बाढ़ नियंत्रण व्यवस्थाओं की व्यापक समीा बैठक में उन्होंने सभी संबंधित विभागों को पूरी सतर्कता, समन्वय और तत्परता के साथ कार्य करने के निर्देश देते हुए कहा कि बारिश के दौरान किसी भी आपात स्थिति में त्वरित राहत और बचाव कार्य सुनिश्चित करना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पिछले पांच वर्षों के अनुभवों के आधार पर जिले के सभी संवेदनशील गांवों नदी-नालों और बाढ़ संभावित ेत्रों की विशेष निगरानी की जाए। उन्होंने कहा कि संभावित प्रभावित ेत्रों में नाव, राहत सामग्री, खाद्यान्न, दवाइयां और अन्य आवश्यक संसाधनों का पर्याप्त भंडारण पहले से सुनिश्चित किया जाए ताकि आपदा की स्थिति में तत्काल सहायता उपलब्ध कराई जा सके साथ ही जिला आपदा नियंत्रण क को 24 घंटे सक्रिय रखने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में स्वास्थ्य विभाग को जलजनित बीमारियों की रोकथाम के लिए पर्याप्त दवाइयों, मेडिकल टीमों और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए वहीं विद्युत विभाग को बारिश और तेज हवाओं के दौरान बिजली आपूर्ति बाधित होने की स्थिति में त्वरित सुधार कार्य के लिए विशेष दल गठित करने को कहा गया कलेक्टर ने नगरीय निकायों और संबंधित विभागों को नालों एवं जल निकासी मार्गों की साफ-सफाई तेज करने पुल-पुलियों का निरीण करने तथा पाइप लाइनों की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि फील्ड स्तर पर अधिकारी नियमित मॉनिटरिंग करें और किसी भी स्थिति पर सतत नजर बनाए रखें वन विभाग को विशेष रूप से निर्देशित किया गया कि बारिश के दौरान सांपों और अन्य जहरीले जीव-जंतुओं के निकलने की संभावना बढ़ जाती है जिससे आमजन को खतरा हो सकता है ऐसे में इनके सुरति रेस्क्यू और स्थानांतरण की तैयारियां पहले से पूरी की जाएं सभी खंड स्तरों पर सांप पकड़ने वाले व्यक्तियों को प्रशिति करने के निर्देश भी दिए गए ताकि आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके। स्वास्थ्य विभाग को भी सांप काटने और विषैले जीवों से संबंधित उपचार के लिए पर्याप्त दवाइयों की उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा गया। कलेक्टर ने नदियों और नालों के किनारे अवैध रूप से निवास कर रहे परिवारों को चिन्हित कर नोटिस जारी करने के निर्देश दिए ताकि संभावित बाढ़ और आपदा के दौरान जोखिम को कम किया जा सके इसके अलावा आपदा प्रबंधन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों को टॉर्च, रेनकोट, छाता और अन्य आवश्यक राहत सामग्री तैयार रखने के निर्देश दिए गए।

स्टार ऑफ द मंथ सम्मान : उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को जिला प्रशासन ने किया सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में अपने-अपने कार्येत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन, कर्तव्यनिष्ठा और समर्पण का परिचय देने वाले कर्मचारियों को जिला प्रशासन द्वारा स्टार ऑफ द मंथ के रूप में सम्मानित कर प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए यह सम्मान उन कर्मियों को दिया गया जिन्होंने अपने कार्यों से न केवल विभागीय लक्ष्यों की पूर्ति की, बल्कि आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने में भी महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर कलेक्टर के निर्देश पर विभिन्न विभागों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मचारियों का चयन कर उन्हें सम्मानित किया गया प्रशासन का उद्देश्य कर्मठ कर्मचारियों को प्रोत्साहित करना और बेहतर कार्य संस्कृति को बढ़ावा देना है ताकि जनसेवा की गुणवत्ता और अधिक प्रभावी बन सके भीषण गर्मी के दौरान पेयजल व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में अहम भूमिका निभाने वाले कार्यभारित हैंडपंप टेक्नीशियन रामानुज पटेल, मुख्यालय कमर्जी को सम्मानित किया गया अप्रैल माह की तीव्र गर्मी में उन्होंने खराब हैंडपंपों का त्वरित संधारण एवं सुधार कर ग्रामीण ेत्रों में पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की उनकी तत्परता, अनुशासन और कार्य के प्रति समर्पण की प्रशासन ने विशेष सराहना की जिला चिकित्सालय सीधी के एसएनसीयू वार्ड में सेवाएं दे रहीं नर्सिंग अधिकारी अंजली पाण्डेय और रूचि शुक्ला को भी उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया दोनों नर्सिंग अधिकारियों ने अपने कर्तव्यों का निर्वहन अत्यंत निष्ठा, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी के साथ किया निरीण के दौरान उनकी कार्यशैली, मरीजों के प्रति सहयोगात्मक व्यवहार और सेवा भाव को विशेष रूप से सराहा गया वहीं पशुपालन विभाग में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करने वाले सहायक पशु चिकित्सा ेत्र अधिकारी श्यामलाल कोल, कृत्रिम गर्भाधान उपकेंद्र नैकिन, रामपुर नैकिन को भी सम्मानित किया गया ।

समय सीमा समीा बैठक में कलेक्टर सख्त, शिकायतों के त्वरित निराकरण और जनहित कार्यों में तेजी लाने के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित समय सीमा पत्रों की समीा बैठक में कलेक्टर ङ्कद्बह्यद्धड्डह्य स्ब्द्बह्यद्धह्लड्ड ने विभिन्न विभागों की प्रगति की विस्तार से समीा करते हुए अधिकारियों को लंबित कार्यों में तेजी लाने और शिकायतों के समयबद्ध निराकरण के निर्देश दिए बैठक में प्रशासनिक जवाबदेही, जनहित कार्यों की गुणवत्ता और आमजन को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने पर विशेष जोर दिया गया बैठक के दौरान कृषि विभाग की समीा में कलेक्टर ने प्रधानमंत्री धन-धान्य योजना के अंतर्गत जिले की बेहतर रैंकिंग पर संतोष व्यक्त किया उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह देशभर के 100 जिलों में सीधी जिले की रैंकिंग 39वें स्थान पर थी जो अब सुधरकर 28वें स्थान पर पहुंच गई है वहीं प्रदेश स्तर पर जिला 8वें स्थान से आगे बढ़कर 4वें स्थान पर आ गया है इस उपलब्धि पर उन्होंने कृषि विभाग की सराहना करते हुए अधिकारियों को बेहतर प्रदर्शन बनाए रखने के निर्देश दिए खाद्य विभाग की समीा के दौरान गेहूं उठाव की धीमी प्रगति पर कलेक्टर ने नाराजगी जाहिर की उन्होंने बताया कि पिछले सप्ताह तक गेहूं उठाव की स्थिति मात्र 30 प्रतिशत थी जो अब बढ़कर 59 प्रतिशत हुई है कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को शेष कार्य शीघ्र पूरा कर निर्धारित लक्ष्य हासिल करने के निर्देश दिए स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर कलेक्टर ने सभी तहसीलदारों और उपखंड अधिकारियों को अस्पतालों का प्रतिदिन निरीण करने के निर्देश दिए उन्होंने कहा कि सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक अस्पतालों का नियमित संचालन सुनिश्चित किया जाए और मरीजों को किसी प्रकार की असुविधा न हो स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही बरतने वालों पर कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई भू-अर्जन प्रकरणों की समीा के दौरान लंबित भुगतानों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कहा कि भुगतान प्रक्रिया पूरी तरह पारदर्शी होनी चाहिए और किसी भी हितग्राही को दोबारा भुगतान न हो संबंधित अधिकारियों को स्वयं भुगतान सत्यापन करने के निर्देश दिए गए सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के निराकरण को लेकर कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि अगले सप्ताह तक शिकायतों के समाधान की दर 85 प्रतिशत से अधिक होनी चाहिए उन्होंने गुणवत्तापूर्ण और संतुष्टिपूर्ण निराकरण करने वाले विभागों को पुरस्कृत करने की बात भी कही साथ ही भ्रष्टाचार के मामलों पर कड़ी चेतावनी देते हुए स्पष्ट कहा कि रिश्वत लेते पाए जाने वाले अधिकारी-कर्मचारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

त्रुटि पर सख्त कार्रवाई, पात्र हितग्राही को लाभ दिलाने जिला प्रशासन की त्वरित पहल

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। ग्राम पंचायत मोहनिया निवासी बाबूलाल कोल के प्रकरण में जिला प्रशासन ने त्वरित संज्ञान लेते हुए लापरवाही पर सख्त कार्रवाई की है मामले में मृत्यु के आधार पर समग्र आईडी हटाए जाने में हुई त्रुटि की जांच के बाद संबंधित रोजगार सहायक मती प्रतिष्ठा सिंह के विरुद्ध विभागीय जांच प्रारंभ कर दी गई है तथा उनका दो माह का वेतन रोक दिया गया है प्रशासन ने इस मामले में प्रशासनिक जवाबदेही तय करते हुए मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जनपद पंचायत सीधी के खिलाफ भी कार्रवाई प्रस्तावित की है उनके एक वेतन वृद्धि को असंचयी प्रभाव से रोकने के लिए आयुक्त रीवा संभाग रीवा को प्रस्ताव भेजा गया है यह कार्रवाई प्रशासनिक प्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है जांच के दौरान यह तथ्य सामने आया कि हितग्राही के नाम पर पूर्व से ही एक अन्य सक्रिय समग्र आईडी उपलब्ध थी जिसके माध्यम से उन्हें पात्रतानुसार राशन योजना का लाभ नियमित रूप से मिल रहा था हालांकि ई-केवाईसी प्रक्रिया लंबित रहने के कारण सितंबर 2025 से दिव्यांग पेंशन का लाभ अस्थायी रूप से बंद हो गया था जिला प्रशासन ने तत्परता दिखाते हुए सक्रिय समग्र आईडी की ई-केवाईसी प्रक्रिया तत्काल पूर्ण कराई और दिव्यांग पेंशन पुनः शुरू करने के लिए आवश्यक आवेदन प्रक्रिया भी पूरी कराई गई प्रशासन का लक्ष्य है कि जून 2026 से हितग्राही को पुनः पेंशन का लाभ नियमित रूप से प्राप्त हो सके।

न्यायाधीशों का संख्याबल

संपादकीय

सर्वोच्च न्यायालय हो या उच्च न्यायालय या अधीनस्थ न्यायालय, इनमें केवल न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने से ही बात बनने वाली नहीं है।

सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की संख्या 33 से बढ़ाकर 37 करने के लिए केंद्र सरकार ने जिस तरह अध्यादेश जारी किया, उससे यह पता चलता है कि वह शीर्ष कोर्ट में शीघ्र ही न्यायाधीशों की संख्या बढ़ते हुए देखना चाहती है। अब मुख्य न्यायाधीश को मिलाकर सर्वोच्च न्यायालय में कुल न्यायाधीशों की संख्या बढ़कर 38 हो जाएगी। निश्चित रूप से इससे सुप्रीम कोर्ट में लंबित मुकदमों के बोझ को कम करने और न्यायिक प्रणाली में तेजी लाने में सहायता मिलेगी।

उम्मीद की जाती है कि इसके चलते सुप्रीम कोर्ट से लोगों को शीघ्र न्याय मिल सकेगा, लेकिन प्रश्न यह है कि उच्च न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में स्थिति कैसे और कब बदलेगी? आवश्यकता ऐसे उपाय करने की भी है कि उच्च न्यायालयों एवं अधीनस्थ न्यायालयों में भी लंबित मुकदमों का बोझ कम हो और लोगों को समय पर न्याय सुलभ हो। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि सुप्रीम कोर्ट से लेकर जिला स्तर तक की अदालतों में लंबित मुकदमों की संख्या लगभग पांच करोड़ पहुंच गई है। न तो लंबित मुकदमों का बोझ कम हो रहा है और न ही लोगों को समय पर न्याय मिल पा रहा है। स्थिति यह है कि सामान्य मामलों का निपटारा होने में भी वर्षों और कई बार तो दशकों लग जाते हैं। यह ध्यान रखा जाना चाहिए कि न्याय में देरी एक तरह का अन्याय ही है।

सर्वोच्च न्यायालय हो या उच्च न्यायालय या अधीनस्थ न्यायालय, इनमें केवल न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने से ही बात बनने वाली नहीं है। यदि समय पर न्याय देना है तो हर स्तर पर न्यायपालिका को पर्याप्त इन्फ्रास्ट्रक्चर से लैस भी करना होगा। न्याय में देरी का एक कारण न्यायाधीशों की कमी ही नहीं, बल्कि संसाधनों का अभाव भी है। सर्वोच्च न्यायालय के अतिरिक्त अन्य न्यायालयों में भी न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाने पर गंभीरता से विचार इसलिए किया जाना चाहिए, क्योंकि अपने देश में प्रति दस लाख जनसंख्या पर लगभग 22 न्यायाधीश ही कार्यरत हैं। इसके विपरीत विकसित देशों में प्रति दस लाख आबादी पर न्यायाधीशों की संख्या सौ से अधिक है। दशकों पहले विधि आयोग ने त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रति दस लाख आबादी पर कम से कम 50 न्यायाधीशों की नियुक्ति की आवश्यकता जताई थी।

कोई नहीं जानता कि इस आवश्यकता की पूर्ति क्यों नहीं की जा पा रही है? समय पर न्याय उपलब्ध कराने के लिए यह भी आवश्यक है कि न्यायिक प्रक्रिया के तौर-तरीके बदलें। इसके अतिरिक्त, कार्यपालिका अपने लोगों के खिलाफ मुकदमे करने की प्रवृत्ति का परित्याग करे। यदि यह सब नहीं किया जाता तो तारीख पर तारीख का सिलसिला थमने वाला नहीं है।

मायावती की निष्क्रियता : क्या खत्म हो जाएगी बसपा?

दिलीप कुमार पाठक

उत्तर प्रदेश की राजनीति में एक समय ऐसा था जब मायावती का नाम सुनते ही विरोधी दल अपनी रणनीति बदलने लगते थे। लेकिन आज जमीनी हकीकत पूरी तरह बदल चुकी है। देश की सियासत में यह चर्चा बहुत तेज है कि मायावती की जमीनी स्तर पर बढ़ती निष्क्रियता और पार्टी का लगातार गिरता वोट बैंक बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा को खत्म होने की कगार पर ले आया है। नौबत यहां तक आ गई है कि बसपा से उसका राष्ट्रीय पार्टी का दर्जा भी कभी भी छिन सकता है। अगर हम आंकड़ों को देखें, तो बसपा की हालत इस समय सबसे खराब दौर में है। देश और उत्तर प्रदेश के चारो सदनों को मिलाकर देखें तो पार्टी के पास अब नाममात्र के नेता बचे हैं। लोकसभा चुनाव में अकेले चुनाव लड़ने वाली बसपा का खाता तक नहीं खुला और देश के सबसे बड़े सदन में उसकी सीटें आज शून्य हैं। देश के उच्च सदन यानी राज्यसभा में बसपा का सिर्फ एक सांसद बचा है, जिनका कार्यकाल नवंबर 2026 में खत्म हो जाएगा। इसके बाद बसपा का कोई नया सांसद राज्यसभा नहीं जा पाएगा क्योंकि उत्तर प्रदेश विधानसभा में पार्टी के पास विधायक ही नहीं हैं।

जिस उत्तर प्रदेश में कभी मायावती ने चार बार मुख्यमंत्री बनकर सरकार चलाई थी, आज वहां की 403 विधानसभा सीटों में से बसपा के पास केवल एक विधायक बचा है। वहीं, उत्तर प्रदेश विधान परिषद में भी बसपा की सीटें अब जीरो हो चुकी हैं। इस भारी गिरावट का सबसे बड़ा कारण मायावती की राजनीति करने का तरीका है। पिछले कुछ सालों से वे केवल प्रेस कॉन्फ्रेंस या सोशल मीडिया पर बयान जारी करने तक सीमित हो गई हैं। वे न तो जनता के मुद्दों पर सड़कों पर उतर रही हैं और न ही महंगाई, बेरोजगारी या दलित उत्पीड़न जैसे मामलों पर कोई बड़ा आंदोलन कर रही हैं। नेता की इस निष्क्रियता के कारण पार्टी के जमीनी कार्यकर्ता निराश होकर घर बैठ गए या दूसरी पार्टियों में शामिल हो गए। इसी का नतीजा है कि आम चुनाव में बसपा का कुल वोट शेयर घटकर मात्र दो प्रतिशत के आसपास रह गया। चुनाव आयोग के नियमों के अनुसार, इतने कम वोट शेयर और बिना किसी सीट के बसपा का राष्ट्रीय पार्टी का तमगा जाना लगभग तय है।मायावती के इस तरह शांत बैठने और बसपा के कमजोर होने का सीधा फायदा दूसरी पार्टियों को मिल रहा है। बसपा का जो कोर मुस्लिम और दलित वोट बैंक था, उसका एक बड़ा हिस्सा समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के गठबंधन की तरफ चला गया है। वहीं, गरीब और गैर-जाटव दलितों का एक बड़ा वर्ग सरकारी योजनाओं जैसे मुफ्त राशन और आवास के कारण भाजपा के साथ जुड़ गया है। इसके अलावा, युवाओं के बीच चंद्रशेखर आजाद एक नए और आक्रामक दलित नेता के रूप में उभरे हैं, जिन्होंने नगीना सीट से लोकसभा चुनाव जीतकर यह साबित कर दिया कि बसपा का वोटर अब नया विकल्प ढूंढ चुका है। जमीनी हकीकत यह भी है कि मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को राजनीति में आगे तो बढ़ाया और उन्हें अपना उत्तराधिकारी भी घोषित किया, लेकिन उनके आक्रामक भाषणों के बाद उन्हें कुछ समय के लिए किनारे कर दिया गया। नेतृत्व के इस असमंजस ने कार्यकर्ताओं को और ज्यादा भ्रमित कर दिया। जब तक पार्टी में युवाओं को खुलकर फैसले लेने की आजादी नहीं मिलेगी, तब तक नए दौर के वोटरों को जोड़ना नामुमकिन है। साफ शब्दों में कहें तो बसपा इस समय अपने अस्तित्व की सबसे कठिन लड़ाई लड़ रही है। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव बिल्कुल नजदीक हैं। अगर मायावती ने अब भी अपनी बंद कमरों वाली रणनीति नहीं बदली, आकाश आनंद जैसे युवा नेताओं को कमान सौंपकर सड़कों पर संघर्ष शुरू नहीं किया, तो बसपा का राजनीतिक वजूद हमेशा के लिए समाप्त हो जाएगा। क्योंकि राजनीति में शून्य के लिए कोई जगह नहीं होती। अगर बसपा अपनी जमीन छोड़ रही है, तो लोकतंत्र का नियम है कि कोई न कोई उस खाली जगह को भरेगा ही। अब फैसला मायावती को करना है कि वे इतिहास का हिस्सा बनना चाहती हैं या भविष्य का।

दुनियाँ की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस बात से डरी हुई हैं कि

यदि होर्मुज जलडमरूमध्य पर किसी प्रकार का संकट उत्पन्न होता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है

किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर मई 2026 का दूसरा सप्ताह वैश्विक अर्थव्यवस्था,भारतीय वित्तीय बाजारों और आम नागरिकों के लिए अत्यंत संवेदनशील और चिंताजनक संकेत लेकर आया। यह सप्ताह केवल शेयर बाजारों के उतार-चढ़ाव तक सीमित नहीं रहा,बल्कि इसने यह स्पष्ट कर दिया कि आज की दुनियाँ में अर्थव्यवस्था,भू- राजनीति,ऊर्जा संकट, मुद्रा विनिमय और निवेशक मनोविज्ञान एक-दूसरे से कितनी गहराई से जुड़े हुए हैं। एक ओर पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव ने कच्चे तेल की कीमतों को ऊंचाई पर पहुंचा दिया, वहीं दूसरी ओर डॉलर की मजबूती और रुपया जो कि अब डॉलर के मुकाबले संभवतः 96 पार चला गया है,इसकी ऐतिहासिक कमजोरी ने भारतीय अर्थव्यवस्था के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दीं। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं क़ि भारतीय व वैश्विक शेयर बाजारों व भारतीय तथा वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं में लगातार बदलते रुझानों ने निवेशकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि आखिर आने वाले दिनों में विश्व अर्थव्यवस्था किस दिशा में जाएगी। पूरे सप्ताह भारतीय शेयर बाजार अस्थिरता के दौर से गुजरते रहे। सप्ताह की शुरुआत कमजोरी के साथ हुई, लेकिन बीच में तेज वापसी भी देखने को मिली।निवेशकों को ऐसा लगा कि शायद बाजार संभल जाएगा, परंतु अंतिम कारोबारी दिन फिर दबाव बढ़ गया। शुरुआती घंटों में तेजी दिखाई देने के बाद अंतिम घंटे में अचानक बिकवाली बढ़ी और बाजार नीचे फिसल गया।यह स्थिति इस बात का संकेत थी कि निवेशकों के भीतर अभी भी अनिश्चितता बनी हुई है। बंबई शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ जबकि राष्ट्रीय शेयर बाजार का प्रमुख सूचकांक भी नीचे आ गया। यह गिरावट भले ही प्रतिशत के हिसाब से बहुत बड़ी न लगे, लेकिन इसके पीछे छिपे संकेत अत्यंत गंभीर हैं। बाजार का अंतिम घंटे में टूटना यह दर्शाता है कि बड़े निवेशकों में भरोसे की कमी बनी हुई है और वे सटीक जोखिम लेने से बच रहे हैं।

साथियों, इस पूरे घटनाक्रम का सबसे बड़ा कारण वैश्विक तनाव रहा। पश्चिम एशिया में ईरान और अन्य शक्तियों के बीच बढ़ती तनातनी ने ऊर्जा आपूर्ति को लेकर चिंता पैदा कर दी। दुनिया की बड़ी अर्थव्यवस्थाएं इस बात से डरी हुई हैं कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य पर किसी प्रकार का संकट उत्पन्न होता है तो वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो सकती है। दुनिया के बड़े तेल उत्पादक े त्रों में तनाव बढ़ने का सीधा असर ऊर्जा कीमतों पर पड़ता है और यही इस सप्ताह देखने को मिला। कच्चे तेल की कीमतों में तेजी ने उन देशों की चिंता बढ़ा दी जो आयातित तेल पर निर्भर हैं। भारत भी उन्हीं देशों में शामिल है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से खरीदता है, इसलिए तेल की कीमतों में हर वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त बोझ डालती है।तेल महंगा होने का अर्थ केवल पेट्रोल और डीजल का महंगा होना नहीं है। इसका प्रभाव परिवहन, उद्योग, कृषि, बिजली उत्पादन और रोजमर्रा की वस्तुओं तक पहुंचता है। जब परिवहन लागत बढ़ती है तो खाद्य सामग्री से लेकर उपभोक्ता वस्तुओं तक हर चीज महंगी होने लगती है। यही कारण है कि बाजार में महंगाई को लेकर चिंता बढ़ गई है। निवेशकों को डर है कि यदि तेल की कीमतें लंबे समय तक ऊंची रहीं तो भारतीय रिजर्व बैंक को ब्याज दरों को लेकर कठोर रुख अपनाना पड़ सकता है। ब्याज दरें ऊंची रहने का अर्थ है उद्योगों के लिए महंगा कर्ज, कम निवेश और आर्थिक गतिविधियों की गति में कमी।

साथियों, इस सप्ताह की सबसे बड़ी आर्थिक घटनाओं में से एक रही भारतीय रुपये की ऐतिहासिक गिरावट।डॉलर के मुकाबले रुपया पहली बार 96 के पार पहुंच गया। यह केवल एक आंकड़ा नहीं बल्कि भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए गंभीर चेतावनी है। रुपये की कमजोरी का सीधा अर्थ है कि विदेशों से आयातित वस्तुएं और अधिक महंगी हो जाएंगी।कच्चा तेल, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण, औद्योगिक मशीनें और कई महत्वपूर्ण कच्चे माल डॉलर में खरीदे जाते हैं।जब रुपया कमजोर होता है तो भारत को समान मात्रा में वस्तुएं खरीदने के लिए अधिक रुपये खर्च करने पड़ते हैं। इसका असर अंततः उद्योगों और आम जनता दोनों पर पड़ता है।रुपये की गिरावट के पीछे कई कारण रहे। पहला कारण डॉलरकी वैश्विकमजबूती है। अमेरिकी अर्थव्यवस्था से जुड़े मजबूत आंकड़ों ने निवेशकों का भरोसा बढ़ाया और डॉलर में निवेश को सुरति माना जाने लगा।दूसरा कारण विदेशी निवेशकों का सतर्क रुख रहा। जब वैश्विक स्तर पर तनाव बढ़ता है तो विदेशी निवेशक उभरते बाजारों से पैसा निकालकर सुरति माने जाने वाले अमेरिकी बाजारों की ओर बढ़ते हैं। यही कारण है कि भारत सहित कई विकासशील देशों की मुद्राओं पर दबाव देखने को मिला।हालांकि सप्ताह के कुछ दिनों में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने खरीदारी भी की, लेकिन घरेलू संस्थागत निवेशकों की बिकवाली ने बाजार को संतुलित नहीं रहने दिया। बड़े निवेशकों के इस बदलते व्यवहार ने बाजार में अस्थिरता और बढ़ा दी। छोटे निवेशकों और व्यवस्थित निवेशयोजनाओं में पैसा लगाने वाले लोगों के सामने दुविधा की स्थिति बनी रही। एक ओर गिरते बाजार में सस्ते स्तर पर निवेश काअवसर दिखाई दे रहा था, वहीं दूसरी ओर लगातार बढ़ती वैश्विक अनिश्चितताओं ने जोखिम भी बढ़ा दिया।यदि े त्रवार प्रदर्शन देखा जाए तो सूचना प्रौद्योगिकी े त्र ने अपोकृत बेहतर प्रदर्शन किया। कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आधुनिक तकनीक से जुड़ी कंपनियों में निवेशकों की रुचि बनी रही। वैश्विक स्तर पर तकनीकी कंपनियों में निवेश बढ़ने का लाभ भारतीय सूचना प्रौद्योगिकी कंपनियों को भी मिला।इसके अतिरिक्त दैनिक उपभोग से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में भी स्थिरता दिखाई दी क्योंकि निवेशक अनिश्चित समय में ऐसे े त्रों को अपोकृत सुरति मानते हैं। इसके विपरीत धातु, तेल एवं गैस, सार्वजनिक े त्र के बैंक तथा अचल संपत्ति े त्र दबाव में रहे। इन े त्रों पर वैश्विक मांग में कमी, लागत बढ़ने और ब्याज दरों के दबाव का असर साफ दिखाई दिया। साथियों, पूरे सप्ताह यह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया कि अब बाजार केवल आर्थिक आंकड़ों से नहीं चलते, बल्कि भू-राजनीतिक घटनाएं भी उतनी ही महत्वपूर्ण हो चुकी हैं। युद्ध, प्रतिबंध, तेल आपूर्ति, समुद्री मार्ग और वैश्विक कूटनीति अब शेयर बाजारों की दिशा तय करने लगे हैं। निवेशक अब केवल कंपनियों के लाभ और घाटे को नहीं देख रहे, बल्कि वे यह भी देख रहे हैं कि दुनिया के किस े त्र में तनाव बढ़ रहा है और उसका असर किस उद्योग पर पड़ेगा।भारत के लिए सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह एक तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था होने के बावजूद ऊर्जा आयात पर अत्यधिक निर्भर है। यदि तेल महंगा होता है तो व्यापार घाटा बढ़ता है,रुपया कमजोर होता है और महंगाई का दबाव बढ़ जाता है। यही स्थिति इस समय दिखाई दे रही है। सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक दोनों के सामने संतुलन बनाए रखने की चुनौती है। एक ओर आर्थिक विकास की गति बनाए रखना आवश्यक है, वहीं दूसरी ओर महंगाई को नियंत्रण में रखना भी जरूरी है।

साथियों, भारतीय रिजर्व बैंक पर दबाव बढ़ सकता है कि वह रुपये को संभालने के लिए विदेशी मुद्रा भंडार का उपयोग करे। लेकिन यह उपाय लंबे समय तक कारगर नहीं हो सकता।यदि वैश्विक परिस्थितियां खराब बनी रहती हैं तो केवल मुद्रा बाजार में हस्तेप से समस्या हल नहीं होगी। इसके लिए व्यापक आर्थिक रणनीति की आवश्यकता होगी जिसमें ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण, निर्यात वृद्धि और घरेलू उत्पादन मता को मजबूत करना शामिल होगा।आम जनता के स्तर पर भी इस सप्ताह के आर्थिक घटनाक्रम का प्रभाव स्पष्ट दिखाई देने लगा है। पेट्रोल और डीजल की कीमतों में संभावित वृद्धि से परिवहन महंगा होगा। इसका असर सब्जियों, खाद्यान्न दूध और अन्य दैनिक उपयोग की वस्तुओं पर पड़ेगा। मध्यम वर्ग की बचत और खर्च दोनों प्रभावित हो सकते हैं। जिन लोगों ने शेयर बाजार में निवेश किया है उनके सामने चिंता की स्थिति है, लेकिन दीर्घकालिक निवेशकों के लिए यह अवसर भी माना जा रहा है।सोना इस पूरे दौर में सुरति निवेश के रूप में मजबूत बना हुआ है। वैश्विक अनिश्चितता बढ़ने पर निवेशक परंपरागत रूप से सोने की ओर आकर्षित होते हैं। यही कारण है कि सोने की मांग और कीमतों में मजबूती बनी हुई है। यदि आने वाले दिनों में युद्ध और तेल संकट गहराता है तो सोना और अधिक मजबूत हो सकता है।यह सप्ताह एक और महत्वपूर्ण संदेश देकर गया है कि वैश्विक अर्थव्यवस्था अभी भी अत्यंत नाजुक स्थिति में है। महामारी के बाद दुनिया जिस स्थिरता की उम्मीद कर रही थी, वह अभी पूरी तरह स्थापित नहीं हो पाई है। युद्ध, ऊर्जा संकट, महंगाई, ब्याज दरें और मुद्रा अस्थिरता लगातार नई चुनौतियां पैदा कर रहे हैं। ऐसे समय में विकासशील देशों के लिए आर्थिक संतुलन बनाए रखना और भी कठिन हो जाता है। साथियों भारत के संदर्भ में सकारात्मक प यह है कि देश की दीर्घकालिक विकास मता अभी भी मजबूत मानी जा रही है। विशाल घरेलू बाजार, युवा जनसंख्या, तकनीकी प्रगति और बुनियादी ढांचे में निवेश भारत को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करते हैं। यही कारण है कि वैश्विक संकटों के बावजूद भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में विकास का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। लेकिन अल्पकालिक चुनौतियों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।विशेषज्ञों का मानना है कि यदि पश्चिम एशिया का तनाव बढ़ता है और तेल की कीमतें लगातार ऊंची बनी रहती हैं तो आने वाले सप्ताहों में भारतीय बाजारों पर और दबाव आ सकता है। रुपया और कमजोर हो सकता है तथा विदेशी निवेशकों की सतर्कता बढ़ सकती है। वहीं यदि कूटनीतिक स्तर पर तनाव कम होता है और तेल कीमतों में राहत मिलती है तो बाजारों में स्थिरता लौट सकती है।

साथियों अंतरराष्ट्रीय बाजारों की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं रही। अमेरिका के प्रमुख शेयर सूचकांक नई ऊंचाइयों के करीब पहुंचे। वहां तकनीकी कंपनियों में जबरदस्त तेजी देखने को मिली। मजबूत खुदरा आंकड़ों ने यह संकेत दिया कि अमेरिकी उपभोक्ता खर्च अभी भी मजबूत बना हुआ है। इससे निवेशकों को विश्वास मिला कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था फिलहाल मंदी से बची हुई है। लेकिन दूसरी ओर एशियाई बाजारों में भारी अस्थिरता बनी रही। जापान, हांगकांग और चीन के बाजारों में दबाव देखने को मिला। चीन-अमेरिका संबंधों को लेकर चिंता और पश्चिम एशिया संकट ने एशियाई निवेशकों की चिंता बढ़ा दी।यूरोप के बाजार भी ऊर्जा संकट और तेल कीमतों के दबाव से प्रभावित रहे। जर्मनी, फ्रांस और ब्रिटेन के प्रमुख सूचकांकों में कमजोरी देखी गई। यूरोप पहले से ही ऊर्जा आपूर्ति की चुनौतियों से जूझ रहा है। ऐसे में तेल कीमतों में नई तेजी ने वहां के उद्योगों और उपभोक्ताओं दोनों पर दबाव बढ़ा दिया। यूरोपीय अर्थव्यवस्था की धीमी गति का असर वैश्विक व्यापार पर भी पड़ सकता है। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे क़ि वर्तमान परिस्थितियां यह भी सिखाती हैं कि निवेश केवल भावनाओं के आधार पर नहीं किया जा सकता। निवेशकों को धैर्य,अनुशासन औरदीर्घकालिक दृष्टिकोण अपनाने की आवश्यकता है। अल्पकालिक उतार-चढ़ाव बाजार का स्वाभाविक हिस्सा हैं, लेकिन जो निवेशक मजबूत आर्थिक आधार और संतुलित रणनीति अपनाते हैं, वे लंबे समय में बेहतर परिणाम प्राप्त करते हैं।

सभ्यता संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का आधार हैं नदियां

राजेंद्र सिंह सूखी नदियों को जीवन देने वाले और रेगिस्तान में पानी का जादू बिखेरने वाले जल पुरुष के रूप में विख्यात हैं। उनका स्पष्ट रुप से मानना है कि-धरती की प्यास तभी बुझेगी और मानवता तभी बचेगी, जब हम पानी की हर एक बूंद को सहेजना और प्रकृति का सम्मान करना सीख जाएंगे। राजस्थान के अलवर जिले के सूखे पड़े गांवों से जल संरण की एक ऐसी क्रांति शुरू करने वाले, जिसने पूरी दुनिया को चकित कर दिया— वे नाम हैं राजेंद्र सिंह ।

कुमार कृष्णन

मूल रूप से उत्तर प्रदेश के बागपत (डौला गांव) की माटी में जन्मे राजेंद्र सिंह जी ने आधुनिक सुख-सुविधाओं और सरकारी नौकरी को छोड़कर जल संकट से जूझते भारत के ग्रामीण इलाकों की तकदीर और तस्वीर बदल दी। राजेंद्र सिंह और उनकी संस्था तरुण भारत संघ ने पारंपरिक भारतीय जल संचयन प्रणालियों (जैसे जोहड़, चेक डैम और तालाब) को पुनर्जीवित किया। उनके इस प्रयास से राजस्थान के अलवर और आस-पास के जिलों की अरवरी, रूपारेल, सरसा, भगानी और जहाजवाली जैसी बात सूखी नदियां दोबारा जीवित हो उठीं और हजारों एकड़ बंजर भूमि फिर से हरी-भरी हो गई।पारंपरिक ज्ञान और सामुदायिक नेतृत्व करके उन्होंने सिद्ध किया कि पानी का संकट बड़ी-बड़ी मशीनों से नहीं, बल्कि समाज की सहभागिता और पूर्वजों के पारंपरिक ज्ञान से दूर हो सकता है। उन्होंने ग्रामीणों को आत्मनिर्भर बनाया और पानी के प्रबंधन के लिए जल संसद की स्थापना की।खादी के वस्त्र पहनने वाले राजेंद्र सिंह जी का पूरा जीवन गांधीवादी विचारों और प्रकृति के प्रति समर्पण का प्रतीक है। वे पिछले चार दशकों से लगातार गांवों, जंगलों और नदियों को बचाने के लिए देश-विदेश में पदयात्राएं कर रहे हैं। सामुदायिक नेतृत्व और जल संरण के े त्र में उनके इसी अभूतपूर्व और क्रांतिकारी कार्य के लिए उन्हें वर्ष 2001 में प्रतिष्ठित रमन मैग्सेसे पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्हें वर्ष 2015 में उन्हें पानी के े त्र का दुनिया का सबसे बड़ा पुरस्कार स्टॉकहोम वॉटर प्राइज दिया गया, जिसे पानी का नोबेल पुरस्कार भी कहा जाता है। दुनिया भर की पर्यावरण संस्थाएं आज उनके जल प्रबंधन मॉडल का अध्ययन करती हैं।राजेंद्र सिंह का जीवन और उनका संघर्ष हमें याद दिलाता है कि पानी केवल एक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की आत्मा है। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाने के लिए उनका काम पूरी मानवता के लिए एक मार्गदर्शक मशाल है।धरती को हरा-भरी बनाने वाले, नदियों के रक और भारत के गौरव राजेंद्र सिंह से मौजूदा हालात पर बातचीत देश में नदियों की स्थिति बहुत खराब है और कई नदियों का अस्तित्व ही समाप्त हो रहा है।इसे किस रुप में देखते हैं?

नदियां बीमार हो रही हैं, लेकिन उनके उपचार और पुनर्जनन के लिए प्रभावी कानून का सर्वथा अभाव है। इसलिए अब नदी संरण और नदी पुनर्जनन कानून की आवश्यकता शिद्दत से महसूस की जा रही है।नदियां केवल जल का स्रोत नहीं, बल्कि सभ्यता, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और जीवन का आधार हैं। दुनिया की अधिकांश सभ्यताएं नदियों के किनारे विकसित हुईं। आज अतिक्रमण, प्रदूषण और अत्यधिक दोहन के कारण नदियां अपनी पहचान खो रही हैं। कहीं वे सूख रही हैं, तो कहीं बाढ़ और विनाश का कारण बन रही हैं। नदियों का मरना, सभ्यता के संकट का संकेत है। भारत तेजी से जल संकट की ओर बढ़ रहा है। अनियंत्रित शहरीकरण, औद्योगीकरण, जल स्रोतों पर कब्जा, प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन ने जल चक्र को असंतुलित कर दिया है। इसके कारण बाढ़ और सूखे की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही हैं।

नदियों के अस्तित्व की रा कैसे की जाय ? नदी पुनर्जनन केवल सफाई अभियान नहीं, वरन नदियों की प्राकृतिक, पारिस्थितिक और जलवैज्ञानिक संरचना को पुनर्जीवित करने की प्रक्रिया है। नदियों को उनके प्राकृतिक प्रवाह के साथ सुरति रखना, अतिक्रमण रोकना, प्रदूषण पर नियंत्रण और जल के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करना इसकी मूल आवश्यकता है।भारत का संविधान पर्यावरण संरण को नागरिकों और स्थानीय संस्थाओं की जिम्मेदारी मानता है। ग्राम पंचायतों, नगर निकायों और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी के बिना जल संरण संभव नहीं है। 'नदी पंचायत' और 'े त्र सभा' जैसी व्यवस्थाएँ जल संरण को जन आंदोलन का रूप दे सकती हैं।मेरा स्पष्ट मानना है कि नदियों और जल स्रोतों की रा के लिए कठोर कानून आवश्यक हैं। जल निकायों में अतिक्रमण, अवैध खनन, प्रदूषण और कचरा डालने पर सख्त रोक होनी चाहिए। साथ ही वर्षा जल संचयन, पारंपरिक जल स्रोतों का पुनर्जीवन और वृारोपण को बढ़ावा देना होगा।जल संरण केवल वर्तमान की आवश्यकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। इसलिए नदी पुनर्जनन को सरकारी योजना नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आंदोलन बनाना होगा। सरकार कानून बनाए, स्थानीय संस्थाएं उसे लागू करें और नागरिक सक्रिय भागीदारी निभाएँ। नदियों को बचाना ही जीवन और भविष्य को बचाना है।

अरावली पहाड़ी के आंदोलन के संदर्भ में बताएं? अरावली एक समग्र पर्वतमाला है। इसकी पूरी पारिस्थितिकी चाहे जमीन के भीतर हो या बाहरः समान संरण की मांग करती है। इसी सोच के आधार पर उच्चतम न्यायालय ने अरावली े त्र में खनन पर सख्ती और संरण के लिए ठोस व्यवस्था बनाने का निर्देश दिया है।कोप-30, बेलेम (ब्राजील) में भी यह स्वीकार किया गया कि अनियंत्रित खनन और जंगलों की कटाई ने अमेज़न जैसे वर्षावनों को भारी नुकसान पहुंचाया है। इसी कारण स्थानीय और आदिवासी समुदायों की भागीदारी को जंगल संरण का आधार माना गया। यह सोच भारत में अरावली संरण के संघर्ष से भी मेल खाती है।दरअसल, अरावली भारत की प्राकृतिक और सांस्कृतिक विरासत है। सामान्य खनिजों के लिए पर्वत काटना, जंगल नष्ट करना और नई खदानें खोलना पर्यावरण, जल स्रोतों और जलवायु तीनों के लिए गंभीर खतरा है। केवल राष्ट्रीय सुरा से जुड़े अत्यावश्यक खनिजों के मामले में सीमित छूट दी गई है।अरावली को बचाने की आवाज सबसे पहले 1980 के दशक के अंत में जोरदार तरीके से उठी। तरुण भारत संघ ने 1988 से अरावली में हो रहे अंधाधुंध खनन, जंगल विनाश और जल स्रोतों के संकट के खिलाफ अभियान शुरू किया। 1991 में सुप्रीम कोर्ट में जनहित याचिका दायर की गई, जिसके बाद सरिस्का े त्र की सैकड़ों खदानों को बंद करने का ऐतिहासिक आदेश आया। यह केवल कानूनी लड़ाई नहीं थी, बल्कि जल, जंगल और जीवन बचाने का जन आंदोलन था।आपको याद दिलाता चलूं कि 2 अक्टूबर 1993 को गुजरात के हिम्मतनगर से दिल्ली तक पदयात्रा निकालकर अरावली संरण की मांग को राष्ट्रीय स्तर पर उठाया गया। इस संघर्ष का असर यह हुआ कि हजारों अवैध खदानों पर रोक लगी और कई े त्रों में अरावली का प्राकृतिक पुनर्जीवन शुरू हुआ। जहां खनन रुका, वहां जल स्रोत लौटे, जंगल बढ़े और भूजल स्तर में सुधार आया। यह परिवर्तन था।लेकिन बाद के वर्षों में कई स्थानों पर अवैध खनन फिर शुरू हो गया, जिससे जल संकट और पर्यावरणीय ति बढ़ती गई। फरीदाबाद, नूंह, गुरुग्राम और राजस्थान के कई हिस्से इसके उदाहरण हैं। इसलिए आज फिर अरावली को समग्र रूप से बचाने की आवश्यकता महसूस की जा रही है।

जनगणना 2027 जागरूकता अभियान शुरू, एमसीबी जिले में नुक्कड़ नाटक और LED VAN से दिया जाएगा संदेश

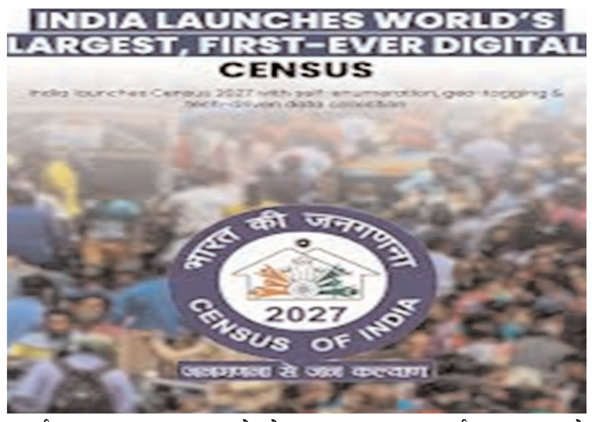

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जनगणना 2027 को लेकर आम नागरिकों में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा विशेष जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है इस पहल के तहत जिले के विभिन्न नगरीय और ग्रामीण ेत्रों में नुक्कड़ नाटक, जनसंवाद और LED VAN के माध्यम से लोगों को जनगणना के महत्व से अवगत कराया जाएगा प्रशासन का मानना है कि जनभागीदारी और जागरूकता के बिना जनगणना जैसे राष्ट्रीय महत्व के कार्य को सफल नहीं बनाया जा सकता इस अभियान के अंतर्गत 19 मई 2026 को जनकपुर, भरतपुर और कोटाडोल ेत्रों में कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। जनकपुर नगरीय ेत्र में यह कार्यक्रम सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक जनकपुर बस स्टैंड के पास आयोजित होगा इसके बाद भरतपुर ग्रामीण ेत्र के बहरासी बस स्टैंड में दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक जागरूकता कार्यक्रम चलेगा वहीं कोटाडोल ग्रामीण ेत्र में बाजार स्थल पर शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक अभियान संचालित किया जाएगा 20 मई 2026 को मनेन्द्रगढ़, चिरमिरी और खड़गवां ेत्रों में कार्यक्रम होंगे। मनेन्द्रगढ़ नगरीय ेत्र में नगरपालिका कार्यालय के पास सब्जी मंडी में सुबह 10:30 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक कार्यक्रम होगा चिरमिरी के हल्दीबाड़ी यातायात चौक में दोपहर 1:00 बजे से 3:00 बजे तक अभियान चलेगा जबकि खड़गवां ग्रामीण ेत्र के रतनपुर बाजार स्थल में शाम 4:00 बजे से 6:00 बजे तक जनजागरूकता गतिविधियां आयोजित की जाएंगी इस विशेष अभियान में नुक्कड़ नाटक के माध्यम से स्थानीय भाषा और सांस्कृतिक शैली में लोगों को समझाया जाएगा कि जनगणना केवल आंकड़ों का संग्रह नहीं बल्कि देश की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण आधारभूत सुविधाओं और नीतिगत निर्णयों की मजबूत नींव है LED VAN के जरिए दृश्य-व्य संदेश प्रसारित कर नागरिकों को जनगणना की उपयोगिता और उसमें सहभागिता की आवश्यकता के बारे में जानकारी दी जाएगी। जिला प्रशासन ने सभी संबंधित चार्ज जनगणना अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे निर्धारित स्थलों पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करें और प्रचार-प्रसार को प्रभावी बनाएं ताकि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें प्रशासन ने नागरिकों से भी अपील की है कि वे जनगणना 2027 में सक्रिय भागीदारी निभाएं और सही जानकारी देकर राष्ट्रीय विकास प्रक्रिया को मजबूत बनाने में सहयोग करें प्रशासन के अनुसार जनगणना 2027 देश के सामाजिक, आर्थिक और विकासात्मक भविष्य की आधारशिला है एमसीबी जिले में आयोजित यह नुक्कड़ नाटक सह LED VAN अभियान प्रशासन की सक्रिय और जनकेंद्रित सोच को दर्शाता है जिसके माध्यम से जनगणना जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्य को अधिक प्रभावी, पारदर्शी और सफल बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

ओदारी नदी में अवैध रेत खनन पर प्रशासन की बड़ी कार्रवाई, 9 हाईवा और एक मशीन जब्त

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। एमसीबी जिले में अवैध रेत खनन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त कदम उठाया कलेक्टर के निर्देश पर ग्राम पंचायत घटई, तहसील भरतपुर स्थित ओदारी नदी ेत्र में जिला स्तरीय टास्क फोर्स खनिज, राजस्व और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम ने छापामार कार्रवाई की इस अभियान में अवैध रेत उत्खनन में प्रयुक्त एक चैन माउंटेन मशीन और 9 हाईवा वाहन जब्त किए गए जांच में पाया गया कि खनन गतिविधियां नियमों और वैधानिक प्रावधानों के विपरीत संचालित हो रही थीं प्रशासन ने स्पष्ट किया कि अवैध खनन एवं परिवहन में संलिप्त लोगों के खिलाफ खनिज एवं विनियमन अधिनियम 1957 और छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियम 2015 के तहत कड़ी कार्रवाई की जाएगी सभी जब्त मशीनरी और वाहन ग्राम पंचायत घटई के सुपुर्दगी में सुरति रखे गए हैं यह कार्रवाई प्रशासन की जीरो टॉलरेंस नीति का हिस्सा है और प्राकृतिक संसाधनों की सुरा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने का संदेश देती है प्रशासन ने आम जनता से भी अपील की है कि वे अवैध खनन या प्राकृतिक संसाधनों के दुरुपयोग की सूचना तुरंत दें।

बिलासपुर निगम वार्ड-29 उपचुनाव कांग्रेस को शेख गफ्फार पर भरोसा पहले पिता, अब बेटे के खिलाफ चुनाव मैदान में भाजपा के मधुसूदन

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (निप्र)। बिलासपुर नगर निगम के वार्ड नंबर- 29 के उपचुनाव में कांग्रेस ने एक बार फिर से सीनियर कांग्रेस नेता रहे शेख गफ्फार के नाम पर सहानुभूति वोट हासिल करने की रणनीति बनाई है यही वजह है कि उनके भतीजे मोहम्मद आजम को प्रत्याशी बनाया है शेख गफ्फार के मौत के बाद भाई शेख असलम दो बार पार्षद चुनाव जीत चुके हैं वहीं भाजपा ने एक बार फिर मधुसूदन राव को टिकट दिया है इससे पहले मधुसूदन राव को इसी वार्ड में शेख असलम से हार का सामना करना पड़ा था इस बार वो शेख असलम के बेटे के खिलाफ चुनाव मैदान में हैं नामांकन के आखिरी दिन यानी सोमवार को दोनों प्रत्याशियों ने पर्चा दाखिल कर दिया है खरसिया विधायक उमेश पटेल के नेतृत्व में कांग्रेस प्रत्याशी ने नामांकन भरा नगर निगम वार्ड उपचुनाव के लिए अधिसूचना जारी होने के साथ ही भाजपा-कांग्रेस की राजनीतिक सरगर्मी बढ़ गई है। दोनों दल के नेता प्रत्याशी चयन को लेकर रणनीति बना रहे थे पहले ही दोनों प्रत्याशियों के नाम पर मुहर लगने की संभावना जताई थी।

सहानुभूति और मुस्लिम वोट पर कांग्रेस की नजर: कांग्रेस संगठन इस वार्ड से चुनाव में जीत हासिल करने के लिए रणनीति बनाई है इसके लिए पहले 11 सदस्यीय चयन समिति बनाई इस दौरान अब्दुल तस्लीम, सोहैल खालिक, सुनील पाली और जयपाल निर्मलकर ने भी टिकट की दावेदारी की समिति ने वार्ड के वरिष्ठ नेताओं, बूथ और मंडल प्रभारियों के साथ रायशुमारी की जमीनी सर्वेण और जिताऊ फैक्टर के पैमाने पर खरा उतरने के बाद मोहम्मद आजम के नाम के पैनल पर अंतिम मुहर लगी कहा जा रहा है कि शेख गफ्फार केवल वार्ड 29 के ही नहीं बल्कि बीडीए अध्य रहते शहर के जमीनी नेता के रूप में काम करते रहे यही वजह है कि संगठन ने पहले सहानुभूति वोट से पहले उनके भाई को प्रत्याशी बनाकर दो बार जीत दर्ज की वहीं अब उनके भतीजे मोहम्मद आजम के नाम को चुनाव मैदान में उतार कर सहानुभूति वोट से जीत हासिल करने की रणनीति बनाई है।

पहले पिता और अब बेटे के खिलाफ चुनाव मैदान में मधुसूदन: वहीं भाजपा ने एक बार फिर से मधुसूदन राव को प्रत्याशी तय किया है। रविवार की शाम भाजपा कार्यालय में जिलाध्य दीपक सिंह ने प्रदेश भाजपा कार्यालय से आए लिफाफा खोला जिसमें मधुसूदन राव को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की गई बता दें कि भाजपा से राजेश रजक और संध्या चौधरी सहित अन्य भी दावेदारी कर रहे थे मधुसूदन राव इससे पहले नगर निगम चुनाव में शेख असलम के खिलाफ प्रत्याशी रह चुके हैं जिसमें शेख असलम ने मधुसूदन राव को हराया था इस बार मधुसूदन राव उनके बेटे मोहम्मद आजम के खिलाफ चुनाव मैदान में है।

बस्तर दौरे पर अमित शाह का बड़ा बयान - गुंडाधुर की धरती बनेगी तीर्थस्थल, 50 साल का नुकसान 5 साल में भरेंगे

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। केंद्रीय गृह मंत्री ने नक्सलवाद प्रभावित बस्तर ेत्र के दौरे के दौरान बड़ा बयान देते हुए कहा कि बस्तर के लोगों ने पिछले 50 वर्षों में जो नुकसान झेला है उसकी भरपाई आने वाले 4 से 5 वर्षों में की जाएगी उन्होंने कहा कि जब तक बस्तर पूरी तरह विकसित नहीं होगा, तब तक केंद्र सरकार का संकल्प अधूरा रहेगा नक्सलवाद के खिलाफ सुरा बलों की लगातार कार्रवाई और ेत्र में तेजी से बदलते हालात के बीच अमित शाह पहली बार बस्तर अपने दौरे के दौरान उन्होंने नेतानार गांव में अमर शहीद गुंडाधुर के परिजनों से मुलाकात की और उनके योगदान को याद करते हुए कहा कि गुंडाधुर की धरती को राष्ट्रीय स्तर पर एक प्रेरणास्थल और तीर्थस्थल के रूप में विकसित किया जाएगा उन्होंने कहा कि बस्तर केवल प्राकृतिक संसाधनों और आदिवासी संस्कृति का ेत्र नहीं है बल्कि यह देश के स्वतंत्रता संग्राम की गौरवशाली विरासत का प्रतीक भी है अमित शाह ने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ आदिवासी आंदोलन की शुरुआत इसी धरती से हुई थी और अमर शहीद गुंडाधुर ने आदिवासी स्वाभिमान की लड़ाई लड़ी थी गृह मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि पिछले कुछ वर्षों में सुरा बलों और स्थानीय लोगों के सहयोग से नक्सलवाद पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित हुआ है उन्होंने कहा कि पहले जिन ेत्रों में भय और हिंसा का माहौल था वहां अब विकास और विश्वास का वातावरण दिखाई दे रहा है उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सड़क, शिा, स्वास्थ्य, रोजगार और संचार सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दे रही है ताकि बस्तर के युवाओं को मुख्यधारा से जोड़ा जा सके अमित शाह ने आदिवासी समाज की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि बस्तर के लोगों ने कठिन परिस्थितियों में भी अपनी संस्कृति और परंपराओं को जीवित रखा उन्होंने भरोसा दिलाया कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर ेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार कार्य करेंगी दौरे के दौरान सुरा व्यवस्था कड़ी रही और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक भी कार्यक्रम में शामिल हुए गृह मंत्री के इस दौरे को बस्तर में विकास और सुरा से जुड़े नए संदेश के रूप में देखा जा रहा है राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियान और विकास योजनाओं को लेकर केंद्र सरकार अब बस्तर में सकारात्मक माहौल बनाने की कोशिश कर रही है इधर बिलासपुर नगर निगम वार्ड-29 उपचुनाव में भी राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है कांग्रेस ने वरिष्ठ नेता स्वर्गीय शेख गफ्फार की राजनीतिक विरासत को आगे बढ़ाते हुए उनके भतीजे मोहम्मद आजम को प्रत्याशी बनाया है जबकि भाजपा ने मधुसूदन राव पर भरोसा जताया है दोनों प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल कर चुनावी मुकाबले को रोचक बना दिया है यह चुनाव सहानुभूति और स्थानीय राजनीतिक समीकरणों के कारण खास माना जा रहा है।

ई-टोकन के बाद भी नहीं मिल रही खाद :शिवपुरी में भारतीय किसान संघ बोला- जल्द व्यवस्था नहीं सुधरी तो होगा आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। शिवपुरी जिले में गहराते खाद संकट को लेकर भारतीय किसान संघ ने सोमवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा संघ ने किसानों की समस्याओं को उठाते हुए बताया कि ई-टोकन के माध्यम से स्लॉट बुक होने के बावजूद कई केंद्रों पर किसानों को खाद खत्म है कहकर वापस लौटाया जा रहा है घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाली हाथ लौट रहे किसान संघ के अनुसार किसानों को घंटों लाइन में लगने के बाद भी खाद नहीं मिल पा रही है इससे किसानों में भारी नाराजगी है किसान संघ का कहना है कि अव्यवस्था के कारण किसानों को बेवजह परेशान होना पड़ रहा है भारतीय किसान संघ ने मांग की है कि जिस केंद्र पर खाद उपलब्ध नहीं है उसकी जानकारी पहले से सार्वजनिक की जाए ताकि किसानों को भटकना न पड़े संघ ने संबंधित अधिकारियों की जवाबदेही तय करने की मांग भी उठाई है जिला अध्य बृजेश सिंह धाकड़ ने कहा कि किसान पहले से मौसम और फसल की चिंता से परेशान हैं ।

शासकीय व्यय में मितव्ययिता और वित्तीय अनुशासन पर राज्य शासन ने जारी किए विशेष निर्देश, 30 सितंबर तक पालन अनिवार्य

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य शासन ने वित्तीय संसाधनों के कुशल प्रबंधन और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को अधिक जिम्मेदार डिजिटल और संसाधन-संवेदनशील बनाने के उद्देश्य से शासकीय व्यय में मितव्ययिता और वित्तीय अनुशासन संबंधी विशेष निर्देश तत्काल प्रभाव से लागू कर दिए हैं ये निर्देश 30 सितंबर 2026 तक सभी विभागों, निगमों, मंडलों, आयोगों और शासकीय संस्थाओं पर अनिवार्य रूप से लागू रहेंगे निर्देशों के तहत शासन ने सरकारी कारकेड में केवल अत्यावश्यक वाहनों के उपयोग की अनुमति दी है सभी शासकीय वाहनों को धीरे-धीरे इलेक्ट्रिक वाहन में परिवर्तित करने की पहल भी की जाएगी, जिससे ईंधन बचत और पर्यावरण संरण दोनों सुनिश्चित हों इसके अतिरिक्त, एक ही गंतव्य की ओर जाने वाले विभागीय अधिकारियों के लिए वाहन पूलिंग व्यवस्था लागू की जाएगी ताकि पेट्रोल और डीजल का खर्च कम हो विदेश यात्राओं पर सख्त नियंत्रण रहेगा केवल अत्यंत आवश्यक परिस्थितियों में ही विदेश यात्रा की अनुमति होगी और उसके लिए मुख्यमंत्री का पूर्व अनुमोदन अनिवार्य होगाभौतिक बैठकों की बजाय वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग और ऑनलाइन समीा बैठकों को प्राथमिकता दी जाएगी और भौतिक बैठकें महीने में केवल एक बार तक सीमित रहेंगी। ऊर्जा संरण को ध्यान में रखते हुए कार्यालयीन समय समाप्त होने के बाद सभी लाइट, पंखे, एसी, कंप्यूटर और अन्य विद्युत उपकरणों को बंद करने के निर्देश दिए गए हैं इसके साथ ही प्रिंटेड पेपर और फिजिकल फाइलों के स्थान पर ई-फाइलिंग और ई-ऑफिस प्रणाली को अनिवार्य किया गया है जिससे कागज और स्टेशनरी का खर्च कम होगा राज्य शासन ने प्रशिण प्रक्रियाओं में भी डिजिटल माध्यम को बढ़ावा दिया है GOt कर्मयोगी पोर्टल के माध्यम से सभी विभागों को अपने प्रशिण पाठ्यक्रम अपलोड करने और डिजिटल प्रशिण आयोजित करने के निर्देश दिए गए हैं जिससे व्यय में कमी और अधिक अधिकारियों की दता सुनिश्चित हो सके ये निर्देश केवल खर्च में कटौती तक सीमित नहीं हैं बल्कि एक जिम्मेदार और पारदर्शी प्रशासनिक कार्यसंस्कृति विकसित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि सभी विभागों को वित्तीय अनुशासन संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग और डिजिटल सशक्तिकरण को प्राथमिकता देनी होगी यह पहल सुशासन, पर्यावरणीय जिम्मेदारी और जिम्मेदार प्रशासन की दिशा में राज्य की दूरदर्शी नीति का उदाहरण है।

विकसित संकल्प अभियान खरीफ 2026 : मुर्किल में कृषि जागरूकता शिविर

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले के भरतपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत मुर्किल में विकसित संकल्प अभियान खरीफ 2026 के तहत कृषि जागरूकता एवं प्रशिण शिविर का आयोजन किया गया इस शिविर का उद्देश्य किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों, खरीफ फसलों की उन्नत खेती और शासन की विभिन्न कृषि योजनाओं की जानकारी देकर उन्हें आत्मनिर्भर एवं वैज्ञानिक खेती की ओर प्रेरित करना था शिविर में बड़ी संख्या में किसानों ने भाग लेकर कृषि विशेषज्ञों और विभागीय अधिकारियों से सीधे संवाद किया कार्यक्रम के दौरान किसानों को खरीफ फसलों के बेहतर उत्पादन, बीज उपचार, उर्वरक प्रबंधन, जल संरण तथा प्राकृतिक खेती के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई अधिकारियों ने किसानों को आधुनिक तकनीकों के उपयोग से कम लागत में अधिक उत्पादन प्राप्त करने के उपाय भी बताए कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मुर्किल के सरपंच लखन प्रताप सिंह, एसएडीओ भरतपुर जी.आर. सिंह चौहान, एडीओ कोटाडोल धरमजीत भगत, आरएईओ कोटाडोल रमाकांत सिंह, एवीएफओ अरविंद कुमार तथा एमयूवी डॉ. नीला सिंह उपस्थित रहे। सभी अधिकारियों ने किसानों से संवाद करते हुए उन्हें समय पर कृषि कार्य करने उन्नत बीजों का चयन करने और मौसम आधारित खेती अपनाने की सलाह दी विशेषज्ञों ने किसानों को बताया कि खरीफ सीजन में बीज उपचार और संतुलित उर्वरक उपयोग से फसल उत्पादन में उल्लेखनीय वृद्धि की जा सकती है साथ ही प्राकृतिक खेती और जैविक तरीकों को अपनाकर मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने और उत्पादन लागत कम करने पर भी जोर दिया गया किसानों को शासन द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं, अनुदानों और कृषि सहायता कार्यक्रमों की जानकारी भी प्रदान की गई। शिविर में कुल 30 किसानों ने भाग लिया जिनमें 4 महिला कृषक और 25 पुरुष कृषक शामिल रहे इसमें 25 आदिवासी किसानों तथा 1 पिछड़ा वर्ग के किसान की सक्रिय सहभागिता दर्ज की गई ग्रामीण किसानों ने कृषि विभाग की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे प्रशिण शिविर खेती से जुड़ी समस्याओं के समाधान और नई तकनीकों को समझने में बेहद उपयोगी साबित हो रहे हैं किसानों ने अधिकारियों से फसल बीमा, उर्वरक उपलब्धता, सिंचाई सुविधाओं और बाजार व्यवस्था से जुड़े सवाल भी पूछे जिनका विशेषज्ञों द्वारा समाधान किया गया कृषि विभाग के अधिकारियों ने किसानों को भरोसा दिलाया कि शासन किसानों की आय बढ़ाने और खेती को लाभकारी बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है

लोक सेवा केन्द्र होंगे सेवा-सेतु , 442 डिजिटल नागरिक सेवाओं से मिलेगा नागरिकों को व्यापक लाभ

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राज्य शासन ने डिजिटल नागरिक सेवाओं को और अधिक प्रभावी सुलभ और आधुनिक बनाने के लिए प्रदेश के सभी लोक सेवा केन्द्रों का उन्नयन कर उन्हें अब सेवा-सेतु केन्द्र के रूप में संचालित करने का महत्वपूर्ण निर्णय लिया है इस पहल का उद्देश्य नागरिकों को अधिकाधिक शासकीय सेवाएं एकीकृत डिजिटल माध्यम से प्रदान करना और सेवा वितरण प्रणाली को पारदर्शी त्वरित तथा उपयोगकर्ता-मित्र बनाना है इस नए ढांचे के तहत अब तक 73 प्रकार की सेवाओं के स्थान पर प्रत्येक सेवा-सेतु केन्द्र पर 442 डिजिटल सेवाएंउपलब्ध होंगी। इन सेवाओं में नागरिकों के प्रमाण पत्र, पंजीकरण, आवेदन, शासकीय योजनाओं एवं विभिन्न विभागीय सेवाएं शामिल हैं इससे ग्रामीण और शहरी ेत्रों में रहने वाले नागरिकों को एक ही मंच पर सभी आवश्यक सेवाओं का लाभ मिलेगा जिससे समय और संसाधनों की बचत होगी राज्य शासन ने यह भी निर्देशित किया है कि प्रदेश के सभी सेवा-सेतु केन्द्रों की एक समान पहचानसुनिश्चित की जाए इसके अंतर्गत प्रत्येक केन्द्र के मुख्य द्वार पर नया बोर्ड/नाम पट्टिका लगाई जाएगी पोर्टल, पावती और आधिकारिक पत्राचार में लोक सेवा केन्द्र के स्थान पर अब सेवा-सेतु केन्द्र शब्द का प्रयोग अनिवार्य होगा सभी प्रचार सामग्री और संदेशों में निर्धारित सेवा-सेतु लोगो का उपयोग करना आवश्यक होगा सेवा प्रदाताओं को नई संरचना में सेवा-सेतु प्रबंधक का पदनाम दिया जाएगा यह पदनाम केंद्र की संचालन प्रणाली को संस्थागत पहचान प्रदान करेगा और नागरिकों के साथ बेहतर संवाद स्थापित करने में मदद करेगा नागरिक जागरूकता बढ़ाने के लिए जिला ई-गवर्नेंस सोसायटी (DeGS) को निर्देशित किया गया है कि वे स्थानीय स्तर पर व्यापक प्रचार-प्रसार करें इसमें स्थानीय प्रचार अभियान जिला स्तरीय वेबसाइटों पर सूचना प्रसार और DeGS निधि का उपयोग शामिल है सभी जिलों को 15 दिवस के भीतर फोटोग्राफ सहित सेवा-सेतु केन्द्रों के परिवर्तित स्वरूप, बोर्ड नाम पट्टिका और अन्य सुधारों की रिपोर्ट संबंधित कार्यालय को प्रेषित करने का निर्देश दिया गया है इस पहल के माध्यम से डिजिटल सुशासन को नई ऊंचाई मिलेगी सेवा-सेतु केन्द्र ग्रामीण एवं शहरी ेत्रों के नागरिकों को सुविधाजनक, त्वरित और पारदर्शी सेवाएंप्रदान करेंगे इसके अलावा यह निर्णय शासन और नागरिकों के बीच डिजिटल संपर्क को भी मजबूत करेगा राज्य शासन ने स्पष्ट किया है कि केन्द्र केवल नाम परिवर्तन नहीं है बल्कि यह नागरिक सेवाओं के विस्तार, तकनीकी सशक्तिकरण और सुशासन की नई कार्य संस्कृति को स्थापित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है इस पहल से प्रदेश में डिजिटल इंडिया की अवधारणा को जमीनी स्तर पर मजबूतीमिलेगी और नागरिक सेवाओं की पहुँच अधिक व्यापक होगी राज्य शासन का यह निर्णय डिजिटल तकनीक के माध्यम से सेवाओं को त्वरित, पारदर्शी और उपयोगकर्ता-केंद्रित बनाने के लिए एक मील का पत्थर साबित होगा जो सुशासन, जवाबदेही और प्रशासनिक दता को नई दिशा देगा।

पुणे-गोरखपुर समर स्पेशल 15 जुलाई तक चलेगी, इटारसी, रानी कमलापति और बीना में भी ठहराव रहेगा

मीडिया ऑडीटर,इटारसी (निप्र)। रेलवे ने गर्मियों की छुट्टियों में यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए पुणे-गोरखपुर स्पेशल ट्रेन को समर स्पेशल के रूप में चलाने का फैसला किया है। यह ट्रेन 15 और 16 जुलाई 2026 तक पटरी पर दौड़ेगी। पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल के मुताबिक, इस ट्रेन के चलने से मध्य प्रदेश के यात्रियों को काफी सहूलियत होगी क्योंकि इसका ठहराव इटारसी, रानी कमलापति और बीना स्टेशनों पर दिया गया है।

पुणे से गोरखपुर का समय और रूट: गाड़ी संख्या 01415 पुणे-गोरखपुर समर स्पेशल हर दिन सुबह 6:50 बजे पुणे से अपनी यात्रा शुरू करेगी। यह उसी दिन रात 9:10 बजे इटारसी, रात 11:15 बजे रानी कमलापति और देर रात 1:25 बजे बीना स्टेशन पहुंचेगी। इसके बाद अगले दिन शाम 4 बजे यह ट्रेन गोरखपुर पहुंचेगी।

वापसी में गोरखपुर से पुणे की समय-सारणी: वापसी की यात्रा में गाड़ी संख्या 01416 गोरखपुर-हड़पसर समर स्पेशल 16 जुलाई 2026 तक रोजाना शाम 5:30 बजे गोरखपुर से रवाना होगी। यह ट्रेन अगले दिन सुबह 8 बजे बीना, सुबह 10:30 बजे रानी कमलापति और दोपहर 12:10 बजे इटारसी पहुंचेगी। अपनी यात्रा के तीसरे दिन तड़के 3:15 बजे यह ट्रेन हड़पसर (पुणे) पहुंच जाएगी।

ट्रेन में कोच और प्रमुख ठहराव की जानकारी: इस स्पेशल ट्रेन में कुल 18 कोच होंगे, जिनमें 1 एसी सेकंड, 5 एसी थर्ड, 6 स्लीपर, 4 जनरल और 2 एसएलआरडी कोच शामिल किए गए हैं। यह ट्रेन रास्ते में दौंड कॉर्ड लाइन, अहमदनगर, कोपरगांव, मनमाड, भुसावल, खंडवा, वीरांगना लक्ष्मीबाई झांसी, उरई, कानपुर सेंट्रल, लखनऊ, गोंडा और बस्ती जैसे प्रमुख स्टेशनों पर भी रुकेगी। रेलवे ने यात्रियों को सलाह दी है कि वे ट्रेन के समय और अन्य जानकारी के लिए रेलवे स्टेशनों, एनटीईएस (NTES), रेल मदद नंबर 139 या रेलवे की आधिकारिक वेबसाइट का सहारा लें।

रायसेन में गर्मी से जनजीवन प्रभावित, पारा 43 पार: 21 मई तक 45 डिग्री तक पहुंचने का अनुमान, लू और उमस से बढ़ी मुश्किलें

मीडिया ऑडीटर, रायसेन (निप्र)। रायसेन जिले में पड़ रही भीषण गर्मी से आम जनजीवन प्रभावित हो गया है। शनिवार को दिन का अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था, जबकि रविवार दोपहर 1 बजे तक तापमान 42 डिग्री तक पहुंच गया। तेज धूप और गर्म हवाओं के कारण बाजारों और सड़कों पर सन्नाटा पसरा नजर आया। लोग जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। दोपहर बाद आसमान में बीच-बीच में बादल छाने से उमस भी बढ़ गई है। इससे लोगों को गर्मी के साथ चिपचिपाहट का सामना करना पड़ रहा है। दिनभर तपिश के बाद रात में भी राहत नहीं मिल रही। बीती रात न्यूनतम तापमान 30 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जिससे लोगों की नींद प्रभावित हुई। रायसेन पहाड़ी त्र होने के कारण यहां दिन में पहाड़ों के पत्थर तेज धूप से अत्यधिक गर्म हो जाते हैं। यही पत्थर रात के समय हीट वेव छोड़ते हैं, जिससे रात का तापमान भी अधिक बना रहता है और लोगों को गर्मी से राहत नहीं मिल पाती।

21 मई तक 45 के पार जा सकता है तापमान: मौसम विशेषज्ञों के अनुसार 18 से 21 मई के बीच जिले का तापमान 45 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच सकता है। आने वाले दिनों में तेज धूप और लू के थपेड़ों से हालात और कठिन होने की संभावना है। विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक बेहद जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलने की सलाह दी है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने गर्मी से बचाव के लिए पर्याप्त मात्रा में पानी पीने, हल्के सूती कपड़े पहनने और धूप में निकलते समय सिर ढंककर रखने की सलाह दी है। वहीं बुजुर्गों, बच्चों और बीमार लोगों को विशेष सावधानी बरतने की जरूरत बताई गई है।

छतरपुर में तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार को रौंदा, युवक की मौके पर मौत, वाहन थाने में रखवाया

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर जिले के बमनोरा थाना त्र अंतर्गत सेवार तिगड्डा के पास रविवार को हुए भीषण सड़क हादसे में एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक अपाचे मोटरसाइकिल से जा रहा था, तभी तेज रफ्तार अज्ञात ट्रक ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। हादसा इतना भीषण था कि युवक ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। जानकारी के अनुसार मृतक युवक सेवार गांव निवासी अहिरवार परिवार का बताया जा रहा है। प्रत्यदर्शियों के मुताबिक ट्रक चालक तेज रफ्तार में वाहन चला रहा था। टक्कर लगते ही बाइक सवार सड़क पर गिर पड़ा और ट्रक उसे कुचलते हुए मौके से फरार हो गया। हादसे के बाद मौके पर जुटी भीड़: घटना के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही भगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीण किया। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। हादसे के बाद मृतक के परिवार में मातम पसरा हुआ है।

कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के इलाज हेतु टाटा मेमोरियल सेंटर की एक यूनिट विदिशा में प्रारंभ की जाएगी

मीडिया ऑडीटर, विदिशा (निप्र)। केंद्रीय किसान कल्याण तथा कृषि एवं ग्रामीण विकास मंत्री ी शिवराज सिंह चौहान ने आज विदिशा के कलेक्ट्रेट स्थित बेतवा सभा क में रबी फसल उपार्जन की समी बैठक की। इस बैठक के पहले उन्होंने विदिशा सहित रायसेन, सीहोर और देवास जिले के कैंसर पीड़ित मरीजों की सुविधा के लिए कैंसर जैसी गंभीर बीमारी के परीण व इलाज की व्यवस्थाओं के लिए वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े उप मुख्यमंत्री ी राजेंद्र शुक्ल सहित अन्य जिले के अधिकारियों और टाटा मेमोरियल सेंटर मुंबई के वरिष्ठ अधिकारियों से चर्चा की है। इस दौरान बैठक में विधायकगण सहित अन्य जनप्रतिनिधियों के अलावा जिला प्रशासन की टीम भी मौजूद रही।

केंद्रीय मंत्री ी शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि मध्य प्रदेश सरकार के के सहयोग से टाटा मेमोरियल सेंटर की एक नवीन इकाई विदिशा में प्रारंभ की जाएगी। इसके लिए स्थान का चिन्ह्यांकन किया जाएगा, अपितु भवन बनने में समय लगेगा इसके लिए टाटा मेमोरियल की टीम विदिशा में आयोजित केम्प के पहले टीम द्वारा व्यवस्थाओं के प्रबंधो का जायजा लेने हेतु विदिशा के शासकीय अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा महाविद्यालय में प्रारंभिक सुविधा शुरू करने के उद्देश्य से निरीण हेतु आएंगी। इस दौरान बतलाया गया कि मेडिकल कॉलेज में 5, 6 और 7 जून को सिर्फ कैंसर जैसी घातक बीमारी का परीण व पीड़ितो के उपचार हेतु वृहद शिविर का आयोजन किया गया है।

केन्द्रीय मंत्री ी चौहान ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा की दिशा में यह कार्य किये जा रहे हैं, ताकि विदिशा सहित आसपास के अन्य जिले के कैंसर पीड़ित मरीज अनावश्यक परेशानियों से बच सकें। उन्होंने कहा कि टाटा मेमोरियल सेंटर कैंसर जैसी बीमारी के इलाज के लिए सबसे विश्वसनीय अस्पताल है। इसी उद्देश्य से विदिशा सहित आसपास के जिलों के कैंसर पीड़ित मरीजों के उचित इलाज के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर की यह इकाई विदिशा में शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि 5, 6 और 7 जून तक तीन दिवस के लिए टाटा मेमोरियल सेंटर के वरिष्ठ डाक्टर व विशेषज्ञों की टीम विदिशा आएगी। जिला प्रशासन के सहयोग से यहां पर कार्य किए जाएंगे ताकि कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से पीड़ित मरीजों को टाटा मेमोरियल कैंसर अस्पताल की तर्ज पर उचित उपचार मरीजों को स्थानीय स्तर पर ही मिल सके। केंद्रीय मंत्री ी चौहान ने कहा कि कैंसर जैसी बीमारी से पीड़ित मरीजों की सुविधा के लिए कीमोथेरेपी जैसी सुविधाओं के लिए मेडिकल कॉलेज में शीघ्र ही प्रक्रिया शुरू की जाएगी। टाटा मेमोरियल सेंटर की टीम विदिशा आ रही है 15 दिवस के भीतर समस्त आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली जाएंगी। विदिशा कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में आयोजित इस बैठक में सिलवानी विधायक ी रामपाल सिंह राजपूत, शमशाबाद विधायक ी सूर्य प्रकाश मीणा, विदिशा विधायक ी मुकेश टंडन, बासौदा विधायक ी हरिसिंह रघुवंशी, खादी ग्रामोद्योग बोर्ड के उपाध्य ी राकेश जादौन, विदिशा नगरपालिका अध्य ीमती प्रीति राकेश शर्मा, ी तोरण सिंह दांगी समेत अन्य जनप्रतिनिधि तथा पुलिस अधीक ी रोहित काशवानी प्रभारी कलेक्टर ी अनिल कुमार डामोर, जिला पंचायत सीईओ ी ओपी सनोड़िया समेत विभिन्न विभागो के अधिकारी मौजूद रहे।

बिजली उपभोक्ता सायबर जालसाजों से सावधान रहें

मीडिया ऑडीटर,सीहोर (निप्र)। ऊर्जा मंत्री ी प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बिजली उपभोक्ताओं से अपील की है कि वे अपने बिजली बिलों का नगद भुगतान कंपनी के जोन, वितरण केन्द्र कार्यालय, पीओएस मशीन अथवा अधिकृत भुगतान केन्द्रों जैसे एम.पी.ऑनलाइन, कॉमन सर्विस सेंटर पर ही करें। उपभोक्ताओं को बिजली बिलों के केशलेस भुगतान के लिये कंपनी के पोर्टल (नेट बैंकिंग, क्रेडिट/डेबिट कार्ड, यूपीआई, ईसीएस, बीबीपीएस, कैश कार्ड एवं वॉलेट आदि) फोन पे, अमेजान पे, गूगल पे, पेटीएम ऐप, व्हाट्सएप पे एवं उपाय मोबाइल ऐप के माध्यम से भी बिल भुगतान की सुविधा उपलब्ध है। ऊर्जा मंत्री ी तोमर ने कहा है कि उपभोक्ता को असमय विद्युत विच्छेदन से बचने के लिए किसी निजी मोबाईल नंबर से कॉल कर भुगतान करने के लिये कोई एसएमएस/ व्हाट्सएप जारी नहीं किया जाता है। कंपनी द्वारा एसएमएस केवल निर्धारित सेंडर आईडी से ही भेजे जाते हैं। उपभोक्ता किसी अन्य सेंडर आईडी अथवा निजी नंबर से आए भ्रामक मेसेज से सतर्क रहें। कंपनी अंतर्गत विद्युत देयकों के भुगतान के लिए उपभोक्ता पहचान नंबर यानि आईवीआरएस नंबर की जरूरत होती है। आईवीआरएस नंबर के आधार पर ही जोन, वितरण केन्द्रों या अन्य गेटवे एमपी ऑनलाइन, पेटीएम, फोन पे, गूगल पे. अमेजन पे, व्हाट्सएप पे आदि पर बिजली बिलों का भुगतान होता है। उपभोक्ता किसी भी अनजान मोबाइल नंबर से आए फोन या व्हाट्सएप मैसेज के आधार पर किसी भी मोबाइल नंबर पर देयकों की राशि अंतरित न करें। साथ ही अपना पिन नंबर भी किसी के साथ साझा न करें। कंपनी के संज्ञान में आया है कि सायबर जालसाजों द्वारा बिजली उपभोक्ताओं को एसएमएस, व्हाट्सएप मैसेज अथवा आई.व्ही.आर. तकनीक से फोन कॉल पर नंबर दबाने के लिये कहा जाता है, जिसमें बिल भुगतान कराने के लिए भय बनाकर कि आपकी बिजली कुछ घंटों बाद काट दी जाएगी, इसके लिए बिल भुगतान करने के लिये विशेष नंबर दबाएं, मोबाइल नंबर विशेष अथवा अनजान लिंक/ऐप पर क्लिक कर या संपर्क कर बकाया राशि जमा कराएं।

रतलाम में पारा 44.8 डिग्री पार, हीटवेव का अलर्ट

जरूरी होने पर घर से निकले; दिन-रात का तापमान फिर बढ़ा

मीडिया ऑडीटर, रतलाम (निप्र)। रतलाम में गर्मी का असर बना है। सोमवार सुबह से तेज धूप निकली हुई है। लगातार तापमान 44 डिग्री के पार चल रहा है। अगले तीन से चार दिन मे तापमान ओर बढ़ने की संभावना है। मौसम विभाग ने सोमवार को हीट वेव (लू) का अलर्ट जारी किया है। इससे गर्मी का असर ओर तेज होगा। पिछले 24 घंटे में दिन व रात के तापमान में एक बार फिर बढ़ा है। पिछले 24 घंटे में अधिकतम तापमान में 1.6 डिग्री सेल्सियस का उछाल आया है। जबकि न्यूनतम तापमान 0.4 डिग्री बढ़ा है। रविवार को अधिकतम तापमान 44.8 डिग्री पर जा पहुंचा। न्यूनतम तापमान 27.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जबकि इसके एक दिन पहले शनिवार को अधिकतम तापमान 43.2 डिग्री व न्यूनतम तापमान 27.2 डिग्री था। रविवार को प्रदेश में रतलाम गर्म शहरों में दूसरे नंबर पर शामिल रहा। मौसम विभाग की

माने तो अगले 4 दिन में तापमान में 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी होगी। दोपहर 12 से 3 बजे तक घरों से बाहर न निकलने की चेतावनी दी है। रतलाम समेत कई जिलो में सोमवार को लू का अलर्ट जारी किया है। इस वजह से तापमान 43 से 44 डिग्री के पार रहने की संभावना है।

दोपहर 12 से 3 के बीच भीषण गर्मी: रतलाम गर्मी के कारण दोपहर में सड़कों पर आवाजाही कम है। गर्मी से बचने के लिए लोग अगर घरों से बाहर निकल रहे है तो मुहं पर कपड़ा बांध, टोपी पहन निकल रहे है। मौसम वैज्ञानिक एचएस पांडे के अनुसार तेज गर्मी का असर दोपहर 12 से 3 बजे तक अधिक रहता है। ऐसे में आमजन जरूरी होने पर ही घरों से बाहर निकले। अगले दो दिन में भीषण गर्मी का असर रहेगा।

दिन भर पीएं पर्याप्त पानी: गर्मी बढ़ने पर मौसम विभाग ने बचाव की एडवाइजरी जारी की है। लोगों से दिनभर पर्याप्त पानी पीने और शरीर को हाइड्रेट रखने की अपील की है। कहा गया है कि दोपहर में ज्यादा देर धूप में न रहें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें। बच्चे और बुजुर्ग खासतौर पर ध्यान रखें। दोपहर 12 से 3 बजे तक तेज गर्मी पड़ती है। इस दौरान जरूरी होने पर ही घर से बाहर निकलें।

पिछले 6 दिन के तापमान पर एक नजर

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
17 मई	44.8	27.6
16 मई	43.2	27.2
15 मई	44.0	28.2
14 मई	44.5	28.6
13 मई	45.2	28.2
12 मई	46.5	27.4

(आंकड़े डिग्री सेल्सियस में हैं)

5 साल के बच्चे ने गर्म तेल में डाला हाथ

गंभीर रूप से झुलसा, हाथ, चेहरा और गले पर पड़े छाले

मीडिया ऑडीटर, मंदसौर (निप्र)। मंदसौर के हनुमंतिया में रविवार रात 5 वर्षीय मासूम ने गर्म तेल में हाथ डाल दिया। जिससे वह गंभीर रूप से झुलस गया। घायल बालक प्रतीक पिता दीपक भील अपने घर पर मौजूद था। परिवार के अनुसार प्रतीक ने अपनी मां से पकौड़ी खाने की जिद की थी, जिसके बाद उसकी मां ने तेल गर्म कर पकौड़ी बनाई और उसे खाने के लिए दी।

बताया जा रहा है कि प्रतीक ने दो-तीन पकौड़ी खाई ही थीं कि उसकी मां गर्म तेल की कढ़ाई को ठंडा होने के लिए रखकर बर्तन धोने चली गई। इसी दौरान खेलते-खेलते प्रतीक कढ़ाई के पास पहुंच गया और उसने गर्म तेल में हाथ डाल दिया। गर्म तेल के संपर्क में आते ही वह जोर-जोर से चिल्लाने लगा।

चीख सुन दौड़े परिजन: मासूम की आवाज सुनकर परिजन तुरंत किचन में पहुंचे। बच्चे की हालत देखकर परिवारजन घबरा गए और उसे तत्काल नगरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद डॉक्टरों ने उसकी गंभीर स्थिति को देखते हुए जिला अस्पताल मंदसौर रेफर कर दिया।

हाथ की चमड़ी तक उतरी: जिला अस्पताल में डॉक्टरों ने जांच की तो प्रतीक का दाहिना हाथ बुरी तरह झुलसा हुआ मिला। हाथ की चमड़ी तक उतर चुकी थी। वहीं दूसरे हाथ पर भी जलने के निशान पाए गए। इसके अलावा चेहरे और गले पर भी छाले हो गए थे। डॉक्टरों ने तत्काल उपचार शुरू करते हुए मलहम लगाया और बच्चे को बर्न वार्ड में भर्ती कर लिया।

घायल बालक के पिता दीपक भील ने बताया कि बेटे को पकौड़ी खाने का बहुत शौक है। उसने अपनी मां से पकौड़ी बनाने को कहा था। मां ने पकौड़ी बनाकर दी और बाद में बर्तन धोने चली गई। इसी बीच बच्चा गर्म तेल के पास पहुंच गया और हादसा हो गया।

बुरहानपुर में दो आरोपी 7 पिस्टल के साथ गिरफ्तार

सोशल मीडिया से फंसाते थे आरोपी

मीडिया ऑडीटर, बुरहानपुर (निप्र)। बुरहानपुर पुलिस ने अवैध हथियार तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। खकनार थाना त्र के मोहनगढ़ से पकड़े गए आरोपियों के पास से 7 देशी पिस्टल और 3 मैग्जीन बरामद की गई हैं। पुलिस ने हथियारों की कीमत करीब 1.11 लाख रुपए आंकी है।

यह लगातार दूसरे दिन की कार्रवाई है। इससे पहले भी पुलिस ने एक आरोपी से तीन देशी पिस्टल जब्त की थीं। खकनार टीआई अभिषेक जाधव ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिलने पर मोहनगढ़ रेलवे पुलिया के नीचे दबिश दी गई। यहां से आरोपी विकास सिंह उर्फ विक्की पटवा और अकलेश उर्फ कान्हा वसावे को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उनके पास से 7 देशी पिस्टल और 3 मैग्जीन बरामद हुई। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

हथियार तस्करों ने बदला तरीका: पुलिस अधीक आशुतोष बागरी ने रविवार शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अवैध हथियार तस्करों ने अब अपना तरीका बदल लिया है। पहले खरीदार बाहर से हथियार लेने आते थे, लेकिन अब स्थानीय स्तर पर हथियार तैयार कर कमजोर और संदिग्ध न लगने वाले लोगों के जरिए सप्लाई कराई जा रही है।

उन्होंने बताया कि पुलिस आरोपियों के कॉल डिटेल रिकॉर्ड (CDR) खंगाल रही है। यह भी पता लगाया जा रहा है कि हथियार किन लोगों तक पहुंचाए जाने थे। पुलिस पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने की दिशा में काम कर रही है। पुलिस के मुताबिक आरोपी सोशल मीडिया के जरिए युवाओं को अपने जाल में फंसाते थे। 18 से 35 साल तक के युवाओं को 5 से 10 हजार रुपए का लालच देकर चोरी और लूट जैसी वारदातों के लिए हथियार उपलब्ध कराए जाते थे।

खिराला गांव में घर में घुसकर युवक पर हमला, कोर्ट केस में राजीनामे का बना रहे थे दबाव

मीडिया ऑडीटर,खंडवा (निप्र)। खंडवा जिले के खिराला गांव में पुरानी रंजिश और कोर्ट में चल रहे मामले को लेकर चार लोगों द्वारा घर में घुसकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोपियों ने युवक और उसके भतीजे के साथ हाथ-मुक्कों और लोहे के पाइप से हमला किया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने राजीनामा नहीं करने पर जान से मारने की धमकी भी दी।

खाना खाते समय घर में घुसे आरोपी: बोरगांव चौकी पुलिस के अनुसार, फरियादी शेख रईश (34) निवासी ग्राम खिराला ऑटो चालक है। उसने पुलिस चौकी पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई

कि शनिवार रात करीब 10 बजे वह अपने घर में भतीजे शेख फैजान के साथ खाना खा रहा था। इसी दौरान गांव के तोसिफ पिता नईम, अयान पिता कलीम उर्फ कल्लू, कलीम उर्फ कल्लू पिता गुलाम और शाहरूख पिता नईम जबरन उसके घर में घुस आए।

राजीनामे का दबाव बनाकर की मारपीट: फरियादी के मुताबिक, कलीम उर्फ कल्लू ने उससे कहा कि कोर्ट में चल रहे मामले में राजीनामा कर लो। इस पर रईश और उसके भतीजे फैजान ने आरोपियों से घर में घुसने का कारण पूछा तो आरोपी गाली-गलौज करने लगे।

इसके बाद कलीम उर्फ कल्लू और तोसिफ ने लोहे के पाइप से रईश पर हमला कर दिया। हमले में उसके सिर, हाथ और पैरों में चोटें आई।

बीच-बचाव करने आए भतीजे को भी पीटा: बीच-बचाव करने आए भतीजे शेख फैजान के साथ भी अयान और शाहरूख ने मारपीट की, जिससे उसके हाथ और पीठ में चोट आई। आरोप है कि इसके बाद चारों आरोपी रईश का कॉलर पकड़कर उसे घर से घसीटते हुए तांगा स्टैंड तक ले गए, जहां उसके साथ दोबारा मारपीट की गई।

रिपोर्ट करने पर दी जान से मारने की धमकी: घटना के दौरान रईश का भाई वसीम और भतीजा फैजान बचाव के लिए पहुंचे तो आरोपियों ने उन्हें भी गालियां दीं। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने धमकी दी कि यदि राजीनामा नहीं किया और पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराई तो हाथ-पैर तोड़कर जान से खत्म कर देंगे।

पीड़ित ने बताया कि घटना को आसपास के लोगों ने भी देखा। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मारपीट से परेशान युवक ने तालाब में लगाई छलांग, सागर के एलिवेटेड कॉरिडोर पर बाइक छोड़कर कूदा

मीडिया ऑडीटर, सागर (निप्र)। सागर के एलिवेटेड कॉरिडोर से रविवार दोपहर एक व्यक्ति ने तालाब में छलांग लगा दी। आसपास के लोगों ने उसे देखा तो तत्काल पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और नाविकों की मदद से व्यक्ति को सुरति तालाब से बाहर निकाला गया। उसे चेकअप के लिए अस्पताल भेजा गया है। जानकारी के अनुसार, चकराघाट पर एलिवेटेड कॉरिडोर पर रविवार दोपहर एक व्यक्ति बाइक से पहुंचा। उसने अपनी बाइक

कॉरिडोर पर खड़ी की और बाउंड्रीवाल पर चढ़कर तालाब में छलांग लगा दी। घटना देख पुलिसकर्मी और नाव चालक मौके पर पहुंचे। उन्होंने रेस्क्यू कर व्यक्ति को सुरति पानी से बाहर निकाला। पूछताछ में उक्त व्यक्ति ने अपना नाम जगजीत सिंह निवासी शीतला माता मंदिर त्र होना बताया। जगजीत ने पुलिस को बताया कि कुछ लोगों ने उसके साथ मारपीट की थी। जिससे वह मानसिक रूप से आहत था। इसी कारण से उसने यह कदम उठाया।उपचार के लिए अस्पताल में कराया भर्ती कोतवाली थाना प्रभारी मनीष सिंघल ने बताया कि तालाब में कूद व्यक्ति को बाहर निकाला गया है।

आईपीएल 2026- केएल राहुल ने तोड़ा एबी डिविलियर्स का बड़ा रिकॉर्ड, इस मामले में बने नंबर वन

नई दिल्ली ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 62वें मुकाबले में दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को 5 विकेट से हराया। अरुण जेटली क्रिकेट स्टेडियम में डीसी को मिली जीत में केएल राहुल ने बल्ले से अहम योगदान दिया। उन्होंने 42 गेंदों में 56 रनों की दमदार पारी खेली। राहुल ने अपनी इस पारी के दौरान एबी डिविलियर्स का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ा। केएल राहुल राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ आईपीएल में सबसे ज्यादा 50 से अधिक रनों की पारी खेलने वाले बल्लेबाज बन गए हैं। राहुल ने रविवार को आरआर के खिलाफ 9वीं बार 50 से अधिक रनों की पारी खेली। इससे पहले, यह रिकॉर्ड डिविलियर्स के नाम था, जिन्होंने राजस्थान रॉयल्स के

खिलाफ 8 बार 50 से अधिक रनों की पारी खेली है। इस लिस्ट में शिखर धवन (7) और विराट कोहली (7) संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर काबिज हैं। आरआर से मिले 194 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी दिल्ली कैपिटल्स को अभिषेक पोरेल और केएल राहुल ने शानदार शुरुआत दी। दोनों ने मिलकर पहले विकेट के लिए 10.1 ओवर में 105 रन जोड़े। राहुल अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 42 गेंदों का सामना करते हुए एक चौके और 3 छक्कों की मदद से 56 रन बनाए। वहीं, अभिषेक ने 31 गेंदों में 51 रनों का योगदान दिया। अर पटेल ने ताबड़तोड़ अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए 18 गेंदों में 34 रनों की नाबाद पारी खेली, तो आशुतोष शर्मा ने सिर्फ 5 गेंदों में नाबाद 18 रन बनाते हुए डीसी को 19.2 ओवर में 5 विकेट से जीत दिलाई।

इससे पहले, राजस्थान रॉयल्स ने 20 ओवर में 8 विकेट गंवाकर स्कोरबोर्ड पर 193 रन लगाए। आरआर की शुरुआत अच्छी नहीं रही और यशस्वी जायसवाल महज 12 रन बनाकर आउट हुए। हालांकि, वैभव सूर्यवंशी अच्छी लय में दिखाई दिए और उन्होंने 21 गेंदों में 5 चौके और 3 छक्कों की मदद से 46 रन बनाए।

वहीं, ध्रुव जुरेल ने 40 गेंदों में 53 रनों की शानदार पारी खेली। कप्तान रियान पराग ने सिर्फ 26 गेंदों का सामना करते हुए 51 रन बनाए। अपनी इस पारी के दौरान रियान ने 3 चौके और 5 छक्के लगाए। गेंदबाजी में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से मिचेल स्टार्क ने 40 रन देकर 4 विकेट निकाले, जबकि लुंगी एनगिडी ने 24 रन खर्च करके 2 विकेट झटके।

धोनी के पड़ोस में बहुमंजिला इमारत बना रहे ईशान किशन

रांची ,एजेंसी । भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन की रांची में एक आलीशान बहुमंजिला इमारत बन रही है। ये इमारत पूर्व कप्तान महेन्द्र सिंह धोनी के बंगले के ठीक बगल में है। इससे साफ है कि ईशान अब धोनी के पड़ोसी बन जाएंगे। ईशान की ये इमारत नागड़ी अंचल के बन रही है। इसमें 11 मंजिला बनी हुई हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार रांची त्रीय विकास प्राधिकरण ने इस इमारत के निर्माण की मंजूरी दे दी है। इस 11 मंजिला भवन में निचले दो फ्लोर व्यावसायिक गतिविधियों के लिए आरति होंगे, जहां आधुनिक कार्यालय और शोरूम स्थापित किए जाएंगे। वहीं शेष आठ फ्लोर पर रिहायशी फ्लैट बनाये जाएंगे।

सबसे अहम बात ये है कि स्वयं महेंद्र सिंह धोनी भी इसमें एक फ्लैट लेने वाले हैं। ईशान के पिता के अनुसार धोनी के घर के पास यह जमीन काफी पहले ही खरीद ली गई थी, और अब 11 मंजिला इमारत के निर्माण को मंजूरी मिल गयी है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य अब पूरी गति से आगे बढ़ेगा और जल्द ही रिंग रोड के किनारे ईशान का यह बहुप्रतीति इमारत बनकर तैयार हो जाएगी। इस परिसर में खेल का मैदान, इंडोर गेम्स की सुविधा, एक भव्य स्विमिंग पूल, अत्याधुनिक जिम, मेहमानों के लिए गेस्ट हाउस, सामुदायिक कार्यक्रमों के लिए कम्युनिटी हॉल, हरा-भरा गार्डन, सैलून-पार्लर की सुविधा, मेडिकल स्टोर और डिपार्टमेंटल स्टोर भी एक ही परिसर में रहेंगे। इस परियोजना की नींव दिसंबर 2022 में भूमि पूजन के साथ रखी गई थी। इसके लिए शगुन ईशान इंफ्रा नामक एक इंफ्रास्ट्रक्चर कंपनी का गठन किया गया है, जिसके तहत इस प्रोजेक्ट पर काम किया जा रहा है।

ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में शामिल हैं बेकहम

लंदन ,एजेंसी । इंग्लैंड की फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान डेविड बेकहम खेल के साथ ही कमाई के मामले में भी अव्वल हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार बेकहम अब ब्रिटेन के सबसे धनी खिलाड़ियों में आ गये हैं उनकी संपत्ति एक अरब पाउंड से ऊपर निकल गयी है। बेकहम और उनकी पत्नी विक्टोरिया की कुल संपत्ति 1.185 अरब पाउंड तक पहुंच गई है। इससे वह संपत्ति के मामले में शीर्ष खिलाड़ियों में शामिल हो गये हैं।

बेकहम को कई जगह से आय होती है। वह अभी अमेरिकन क्लब इंटर मियामी के सह-मालिक हैं, जिसे मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) की सबसे कीमती फ्रेंचाइजी माना जाता है। इस क्लब की अनुमानित कीमत 1.45 अरब डॉलर (लगभग 1.07 अरब पाउंड) है, जो खेल प्रबंधन में बेकहम की दूरदर्शिता और निवेश की सफलता को दर्शाता है।

बेकहम एडिडास और ह्यूगो बॉस जैसी वैश्विक कंपनियों के ब्रांड एंबेसडर के रूप में भी भारी कमाई करते हैं। उनकी पत्नी विक्टोरिया बेकहम की दौलत मुख्य रूप से उनके सफल फैशन लेबल से आती है। स्पाइस गर्ल्स की सदस्य के रूप में अपनी शुरुआती प्रसिद्धि के बाद, विक्टोरिया ने एक सफल उद्यमी और फैशन डिजाइनर के रूप में अपनी पहचान बनाई है।

वहीं पूर्व फॉर्मूला 1 बॉस बर्नी एक्लेस्टोन को परिवार संपत्ति के मामले में पहले नंबर पर बना हुआ है। उनके परिवार की संपत्ति 2 अरब पाउंड आंकी गई है।

इंटर मियामी ने पोर्टलैंड टिम्बर्स को 2-0 से हराया, मेसी बने जीत के नायक

मियामी ,एजेंसी । लियोनेल मेसी ने मेजर लीग सॉकर में अपना शानदार फॉर्म जारी रखा। रविवार को पोर्टलैंड टिम्बर्स के खिलाफ इंटर मियामी को मिली 2-0 की जीत में मेसी ने अहम भूमिका निभाई। उन्होंने एक गोल करने के साथ-साथ एक असिस्ट भी किया। यह क्लब की अपने नए होम स्टेडियम में पहली जीत थी। मेसी ने इस सीजन का अपना 12वां गोल किया और छठा असिस्ट दर्ज किया, जबकि जर्मन बर्टेराम ने स्टेडियम में शानदार प्रदर्शन के दौरान मियामी का दूसरा गोल किया। इस जीत के साथ मियामी ने अपने नए स्टेडियम में 0-3-1 की निराशाजनक शुरुआत का सिलसिला खत्म कर दिया। यह स्टेडियम अप्रैल में आधिकारिक तौर पर खोला गया था।

गोलकीपर डेन सेंट क्लेयर ने चार बेहतरीन बचाव किए और मियामी को सीजन की तीसरी क्लीन शीट दिलाने में मदद की। टीम ने इससे पहले अप्रैल में रियल साल्ट लेक को 2-0 से हराकर क्लीन शीट हासिल की थी। दूसरी ओर, पोर्टलैंड के लिए घर से बाहर खेलना इस सीजन में फिर मुश्किल साबित हुआ। क्लब को इस सीजन में चौथी बार 2-0 से रोड हार का सामना करना पड़ा। वहीं, विपी मैदान पर पिछले पांच मुकाबलों में यह पोर्टलैंड की तीसरी हार रही। 16 शॉट लेने के बावजूद टिम्बर्स कुल शॉट्स में 22-16 से पीछे रहे, जबकि टारगेट पर शॉट्स में 4-9 से पिछड़ गए।

मेसी लीग की स्कोरिंग रेस में भी तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। 38 वर्षीय मेसी अब एमएलएस गोल्डन बूट की दौड़ में पेटार मूसा की बराबरी पर पहुंच गए हैं और ह्यूगो क्यूपर्स से सिर्फ एक गोल पीछे हैं। अर्जेंटीना के इस सुपरस्टार ने पिछले चार मैचों में पांच गोल और छह असिस्ट किए हैं।

आठ बार के बैलन डी%ओर विजेता मेसी शुरुआत से ही शानदार लय में दिखे। उन्होंने चौथे मिनट में लगभग गोल कर दिया था, लेकिन जेम्स पैंटेमिस ने बेहतरीन बचाव किया। हालांकि, 31वें मिनट में पैंटेमिस मेसी के शॉट को नहीं रोक सके।

मेसी ने पेनल्टी एरिया के बाहर से मूव की शुरुआत की और गेंद लुइस सुआरेज को पास की। इसके बाद मेसी तेजी से बॉक्स के अंदर पहुंचे। सुआरेज ने टेलास्को सेगोविया के साथ अच्छा तालमेल बिठाया। सेगोविया ने बैकहील पास देकर मेसी के लिए मौका बनाया, और अर्जेंटीना स्टार ने पैंटेमिस को छकाते हुए आराम से गेंद को गोल पोस्ट में डाल दिया। गोल के 11 मिनट बाद मेसी ने एक और शानदार मूव तैयार किया।

रोम में यानिक सिनर ने जीता पहला खिताब, जोकोविच के खास क्लब में शामिल

रोम ,एजेंसी । दुनिया के नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी यानिक सिनर ने इटालियन ओपन 2026 का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। रोम में खेले गए फाइनल मुकाबले में सिनर ने कैस्पर रूड को सीधे सेटों में 6-4, 6-4 से हराकर खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही वह 1976 में एड्रियानो पनाटा के बाद इटालियन ओपन जीतने वाले पहले इटालियन खिलाड़ी बन गए। लगभग 50 साल बाद किसी घरेलू खिलाड़ी ने रोम में यह प्रतिष्ठित खिताब जीता है।

24 वर्षीय सिनर ने इस जीत के साथ अपना लगातार छठा ATP Masters 1000 खिताब जीता। इसके अलावा उन्होंने करियर के सभी 9 ATP Masters 1000 टाइटल जीतने का भी कारनामा कर दिखाया। ऐसा करने वाले वह इतिहास में सिर्फ दूसरे खिलाड़ी बने हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि सिर्फ नोवाक जोकोविच ने हासिल की थी, जिन्होंने 2018 में सिनसिनाटी खिताब जीतकर करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा किया था।

फाइनल में दिखा सिनर का दबदबा: मुकाबले की शुरुआत में कैस्पर रूड ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन धीरे-धीरे सिनर ने शानदार बेसलाइन गेम और सटीक शॉट्स से मैच पर पकड़ बना ली। एक घंटा 44 मिनट चले मुकाबले में सिनर ने लगातार दबाव बनाए रखा और आखिरकार सीधे सेटों में जीत दर्ज की। जीत के बाद उन्होंने दोनों हाथ उठाकर घरेलू दर्शकों का अभिवादन किया और अपनी टीम को गले लगाया।

अगर हम ऐसे खेलते रहे, तो टॉप-4 में जगह नहीं बना पाएंगे- रियान पराग

नई दिल्ली ,एजेंसी । आईपीएल 2026 के 62वें मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) को दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) के खिलाफ 5 विकेट से हार का सामना करना पड़ा। लगातार तीसरी हार से आरआर के कप्तान रियान पराग खासा निराश नजर आए। उन्होंने कहा कि अगर हम ऐसे ही खेलते रहे, तो प्लेऑफ में जगह नहीं बना पाएंगे। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ मिली हार के बाद रियान ने कहा, मुझे लगता है कि अगर हम ट्रॉफी जीतना चाहते हैं, अगर हम हर साल मुकाबला करना चाहते हैं, तो हमको इस मैच में किए गए प्रदर्शन से बेहतर खेल दिखाना होगा। बहुत निराश हूं। मुझे लगता है कि हमने पिछले चार-पांच मुकाबलों में जैसा प्रदर्शन किया है, उससे हम कहीं ज्यादा बेहतर टीम हैं। हालांकि, ब्रेक से आने के बाद मुझे लगता है कि आज हमने जो एनर्जी, स्किल और एग्जीक्यूशन दिखाया है, वह जाहिर तौर पर वैसा नहीं है। अगर हम ऐसे ही खेलते रहे, तो हम टॉप चार की रेस में नहीं होंगे। यशराज पुंजा ने केएल राहुल का उस वक्त कैच छोड़ा, जब वह खाता तक नहीं खोल सके थे। इसके साथ ही वैभव सूर्यवंशी और खुद रियान पराग ने भी फील्डिंग में काफी

गलतियां कीं। हालांकि, इसके बावजूद आरआर अंतिम ओवरों पर मैच में बनी हुई थी। आखिरी के 3 ओवरों में दिल्ली कैपिटल्स को जीत के लिए 35 रनों की जरूरत थी। अर पटेल क्रीज पर सेट थे, जबकि डेविड मिलर क्रीज पर आए थे। दासुन शनाका और एडम मिल्ने के ओवर बचे होने पर भी कप्तान पराय ने गेंद डोनोवन फरेरा के हाथों में थमाई। रियान का यह दांव पूरी तरह से उल्टा पड़ गया और अर-मिलर ने इस ओवर से 16 रन बटोरे और मैच डीसी के प में झुक गया।

फरेरा से पारी का 18वां ओवर करने के फैसले पर बात करते हुए रियान ने कहा, यह कोई जुआ नहीं था। मुझे पता है कि टीवी पर यह एक जुआ जैसा दिखता है, लेकिन फिर आपके पास क्रीज पर दो बाएं हाथ के बल्लेबाज थे। मैं शनाका से एक और ओवर करवाने की बजाय डोनोवन से गेंदबाजी करवाना और एक मौका लेना पसंद करूंगा। बैटिंग के दौरान राजस्थान रॉयल्स ने आखिरी सात ओवर में छह विकेट खोकर सिर्फ 41 रन बनाए।

ऋषभ को टेस्ट प्रारुप में उपकप्तानी से हटा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई ,एजेंसी । पिछले कुछ समय से लगातार फार्म से बाहर चल रहे भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की मुश्किलें बढ़ने जा रही हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अब उन्हें टेस्ट मैच में उपकप्तानी से भी हटाने पर विचार कर रहा है। बीसीसीआई मंगलवार को अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाले एकमात्र टेस्ट मैच के लिए टीम घोषित करने वाला है। जून में होने वाले इस मैच के लिए ऋषभ को शायद ही उपकप्तान रखा जाये। यह एकमात्र टेस्ट मैच 6 से 10 जून के बीच खेला जाएगा, जिसके बाद तीन एकदिवीसय मैच 14, 17 और 20 जून को खेले जाएंगे। उसमें भी उनकी जगह खतरे में नजर आ रही है क्योंकि सीमित ओवरों के प्रारुप में भी उनका प्रदर्शन गिरा है।

गौरतलब है कि जिस प्रकार से ऋषभ की कप्तानी में लगातार दूसरे सत्र में भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम आईपीएल में असफल हुई है। उससे ऋषभ बोर्ड का भरोसा खो चुके हैं। लीग में वह न तो रन बना पाये और न ही टीम को जीत दिला पाये। उनकी कप्तानी भी बेहद खराब रही। टीम जहां पिछले सत्र में सातवें नंबर पर रही थी। वहीं इस सत्र में दसवें स्थान पर खिसक गयी। अब तक के दोनो ही सत्र में उनकी कप्तानी पर सवाल उठे हैं।

एशियन वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026- 10 मेडल के साथ भारत ने किया टूर्नामेंट का अंत, तीसरे स्थान पर रही महिला टीम

गांधीनगर ,एजेंसी । भारत ने एशियन सीनियर वेटलिफ्टिंग चैंपियनशिप 2026 में महिलाओं की टीम रैंकिंग में तीसरा और पुरुषों की टीम रैंकिंग में पांचवां स्थान हासिल किया। यह चैंपियनशिप रविवार को गुजरात के गांधीनगर के महात्मा मंदिर में खत्म हुई। इसमें पूरे एशिया के जाने-माने वेटलिफ्टरों ने छह दिन तक मुकाबला किया। भारतीय वेटलिफ्टिंग फेडरेशन द्वारा आयोजित यह चैंपियनशिप 11 से 17 मई तक चली और इसमें 30 देशों के 172 एथलीटों ने हिस्सा लिया, जिनमें 97 पुरुष और 75 महिलाएं थीं। इस चैंपियनशिप में महिलाओं की आठ और पुरुषों की सात बॉडीवेट कैटेगरी थीं, जिसमें महिलाओं के सेक्शन में 20 से ज्यादा देशों और पुरुषों के सेक्शन में 15 से अधिक देशों के खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। चीन महिलाओं और पुरुषों दोनों की टीम रैंकिंग में टॉप पर रही। महिलाओं की कैटेगरी में, चीन 578 पॉइंट्स के साथ पहले, चीनी ताइपे 491 पॉइंट्स के

साथ दूसरे और भारत 487 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहा। लिंका, बांग्लादेश और कोरिया टॉप छह में रहे। पुरुषों की टीम स्टैंडिंग में, चीन 593 पॉइंट्स के साथ सबसे आगे रहा, उसके बाद डीपीआर कोरिया 478 और उज्बेकिस्तान 409 पॉइंट्स के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चीनी ताइपे 392 पॉइंट्स के साथ चौथे, भारत 379 पॉइंट्स के साथ पांचवें और तुर्कमेनिस्तान 344 पॉइंट्स के साथ छठे स्थान पर रहा।

ओवरऑल मेडल टैली में, चीन ने 21 गोल्ड, 12 सिल्वर और 8 ब्रॉन्ज मेडल के साथ दबदबा बनाया, उसके बाद डीपीआर कोरिया 18 गोल्ड, 11 सिल्वर और 1 ब्रॉन्ज मेडल के साथ तीसरे स्थान पर रहा। चीनी ताइपे ने 3 गोल्ड, 7 सिल्वर और 3 ब्रॉन्ज मेडल जीते। बहरीन, ईरान, उज्बेकिस्तान, मलेशिया, वियतनाम, कतर, साउथ कोरिया, भारत, तुर्कमेनिस्तान, जापान, कजाकिस्तान और फिलीपींस भी मेडल स्टैंडिंग में शामिल रहे। भारत ने कुल 10 मेडल जीते, जिसमें एक सिल्वर और 9 ब्रॉन्ज मेडल शामिल रहे। आधिकारिक नतीजों के मुताबिक, चैंपियनशिप में कई रिकॉर्ड तोड़ने वाले प्रदर्शन हुए, जिसमें 27 एशियन रिकॉर्ड और 25 वर्ल्ड रिकॉर्ड बने। डीपीआर कोरिया की री सुक को महिलाओं की बेस्ट लिफ्टर चुना गया। वहीं, चीन के ही यूजी पुरुष के बेस्ट लिफ्टर चुने गए।

जैनिक सिनर ने इटैलियन ओपन का खिताब जीतकर रचा इतिहास, फाइनल में कैस्पर रूड को हराया

रोम ,एजेंसी । जैनिक सिनर ने रविवार को इटैलियन ओपन का खिताब जीतकर इतिहास रच दिया। वह 1976 में एड्रियानो पनाटा के बाद इस खिताब को जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने हैं। फाइनल मुकाबले में सिनर ने कैस्पर रूड को 6-4, 6-4 से हराकर लगातार छठा एटीपी मास्टर्स 1000 टाइटल जीता। 1 घंटे 44 मिनट तक चले खिताबी मुकाबले में शानदार जीत दर्ज करके नोवाक जोकोविच के बाद सिनर एटीपी इतिहास में करियर गोल्डन मास्टर्स पूरा करने वाला सिर्फ दूसरा खिलाड़ी बन गए हैं। सिनर ने अब सभी एटीपी मास्टर्स 1000 टाइटल जीत लिए हैं। जोकोविच ने 2018 में सिनसिनाटी जीतने के बाद यह कामयाबी हासिल की थी। सिनर ने कोर्ट पर अपने इंटरव्यू में कहा, मुझे लगता है कि यह 50वां साल था जब किसी इटैलियन ने जीत हासिल की और मैं सच में बहुत खुश हूं। दोनों तरफ बहुत टेंशन थी; हम दोनों का टेनिस परफेक्ट नहीं

था, लेकिन मैं जीत दर्ज करने के बाद काफी खुश हूं। पिछले ढाई महीने बहुत अच्छे रहे हैं। मैं हर बार खुद को सबसे अच्छी पोजीशन में रखने की कोशिश करता हूं और जितना हो सके उतना अच्छा करता हूं। हर दिन आसान नहीं होता, लेकिन मैं सच में बहुत, बहुत खुश हूं। खचाखच भरी भीड़ के शानदार समर्थन के बीच सिनर ने धीमी शुरुआत से वापसी करते हुए अपना 10वां मास्टर्स 1000 खिताब और रोम में पहला टाइटल जीता। शुरुआत में कैस्पर रूड ने आक्रामक खेल दिखाया, लेकिन इटली के खिलाड़ी ने धीरे-धीरे मैच पर पकड़ बनाई। बेसलाइन से लगातार गहरे और सटीक शॉट्स लगाकर सिनर ने फाइनल मैच का रुख पलटा और यादगार जीत हासिल की। फाइनल का रुख अपने प में कर लिया और आखिरकार जीत हासिल की। ??24 साल के खिलाड़ी ने जीत पक्की करने के बाद अपने हाथ ऊपर उठाए, माहौल का आनंद लिया और फिर कोर्टसाइड पर अपनी टीम के साथ जश्न मनाने पहुंच गए।

हर घर में पढ़ाई का एक कोना हो, तभी बच्चे आगे बढ़ेंगे: राज्यपाल रमेन डेका

बैगा विद्यार्थियों और महिलाओं से मिले राज्यपाल, शिक्षा और आत्मनिर्भरता पर दिया जोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल करमेन डेका ने कबीरधाम जिले के सुदूर वनांचल क्षेत्र ग्राम ढोलबज्जा पहुंचकर बैगा विद्यार्थियों और बैगा महिला स्व-सहायता समूहों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने विद्यार्थियों से उनके सपनों, पढ़ाई और भविष्य की योजनाओं पर चर्चा करते हुए उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। राज्यपाल कडेका ने कहा कि हर घर में एक कोना सिर्फ पढ़ाई के लिए होना चाहिए। तभी बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ पाएंगे। उन्होंने अभिभावकों से कहा कि भले ही वे स्वयं स्कूल नहीं जा पाए हों, लेकिन अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा के लिए जरूर स्कूल भेजें। उन्होंने शिक्षा दूत के रूप में कार्य कर रहे शिक्षकों और युवाओं से कहा कि वे ड्रॉप आउट बच्चों को भी फिर से स्कूल से जोड़ने का प्रयास करें। उन्होंने विद्यार्थियों को घर और आसपास साफ-सफाई रखने के लिए जागरूक किया और कहा कि नई पीढ़ी को स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति सजग बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री जनमन योजना का उद्देश्य विशेष पिछड़ी जनजातियों के जीवन स्तर और औसत आयु में सुधार लाना है। इस दौरान बैगा छात्रा हेमकुमारी ने बताया कि उसने 12वीं कक्षा में 88 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं और वर्तमान में नीट की तैयारी कर रही है। वहीं गायत्री मोरावी ने बीएससी नर्सिंग करने की इच्छा जताई। शिक्षा दूत के रूप में कार्य कर रहे नितेश बैगा ने बताया कि वे बैगा बच्चों को नियमित रूप से स्कूल आने और पढ़ाई के लिए प्रेरित करते हैं। राज्यपाल कडेका ने कहा कि यह गर्व की बात है कि अब बैगा समाज के बच्चे शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ रहे हैं। डॉक्टर, नर्स और अन्य क्षेत्रों में जाने का सपना देख रहे हैं तथा दूसरे बच्चों को भी प्रेरित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा हर संभव सहयोग प्रदान किया जाएगा।

राज्यपाल रमेन डेका ने विहान महिला समूहों की सराहना की

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल रमेन डेका ने बेमेतरा कलेक्ट्रेट परिसर में राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन विहान के अंतर्गत गठित महिला स्व-सहायता समूहों की सदस्यों से सौजन्य भेंट कर उनके द्वारा संचालित आजीविका गतिविधियों की जानकारी ली। राज्यपाल ने महिलाओं के आत्मविश्वास, परिश्रम और आत्मनिर्भरता की सराहना करते हुए उन्हें ग्रामीण विकास एवं सामाजिक परिवर्तन की सशक्त प्रेरणा बताया। इस दौरान कलेक्टर सुकप्रतिष्ठा ममगाई एवं एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे। भेंट कार्यक्रम के दौरान महिला समूहों की दीदियों ने राज्यपाल को अपने द्वारा तैयार किए जा रहे विभिन्न स्थानीय उत्पादों, जैविक खेती, खाद्य प्रसंस्करण, हस्तशिल्प एवं लघु उद्योग गतिविधियों के संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। महिलाओं ने बताया कि विहान योजना से जुड़ने के बाद उनके जीवन में आर्थिक एवं सामाजिक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन आया है तथा वे अब आत्मनिर्भर होकर परिवार की आय में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। महिला समूहों की सफलता की कहानियों को सुनकर राज्यपाल करमेन डेका ने प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएँ आज स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत की परिकल्पना को साकार कर रही हैं।

बस्तर के बच्चों की खेल प्रतिभा तराशने जल्द शुरू होगी अकादमी

बस्तर के पहले आवासीय खेल अकादमी की तैयारी तेज, खेल संचालक ने तैयारियों का लिया जायजा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर के बच्चों की खेल प्रतिभा और कौशल को तराशने खेल एवं युवा कल्याण विभाग जगदलपुर में जल्द ही नई अकादमी खोलने जा रहा है। यह बस्तर अंचल का पहला आवासीय खेल अकादमी होगा। यहां बालकों को एथलेटिक्स, फुटबॉल और आर्चरी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। अकादमी में प्रवेश के लिए विभाग द्वारा जल्द ही चयन ट्रायल आयोजित किया जाएगा। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की संचालक क तनुजा सलाम ने जगदलपुर पहुंचकर अकादमी शुरू करने की तैयारियों का जायजा लिया। उन्होंने बस्तर के खेल अधिकारियों से चर्चा कर मौजूदा अधोसंरचनाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने उपलब्ध आवास व्यवस्था, भोजन व्यवस्था, चयन ट्रायल की प्रक्रिया, विद्यालय सुविधा, वाहन व्यवस्था, खेल सामग्री तथा आवास सहित सभी मूलभूत सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने प्रस्तावित अकादमी भवन का अवलोकन कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने अधिकारियों को खिलाड़ियों के लिए बेहतर वातावरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। क सलाम ने कहा कि बस्तर क्षेत्र में आवासीय खेल अकादमी प्रारंभ होने से स्थानीय प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं सुविधाएं प्राप्त होंगी, जिससे क्षेत्र के खिलाड़ी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन कर सकेंगे और पदक अर्जित कर सकेंगे।

सुशासन तिहार से बदली जिंदगी- बढ़ईटोला के बुजुर्गों को मिला सुनने का सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार-2026 अंतर्गत खैरागढ़ जिले के ग्राम पंचायत बढ़ईटोला में आयोजित समाधान शिविर ग्रामीणों के लिए राहत और संवेदनशील प्रशासन का उदाहरण बनकर सामने आया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाया गया। इसी क्रम में दो बुजुर्ग हितग्राहियों को श्रवण यंत्र प्रदान कर उनकी वर्षों पुरानी समस्या का समाधान किया गया। ग्राम पंचायत बढ़ईटोला निवासी कलिखन राम वर्मा एवं कज्ञान राम सिन्हा लंबे समय से सुनने में परेशानी का सामना कर रहे थे। सुनने में दिक्कत होने के कारण उन्हें दैनिक जीवन, बातचीत और सामाजिक गतिविधियों में कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। सुशासन तिहार शिविर में स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के माध्यम से दोनों हितग्राहियों को श्रवण यंत्र उपलब्ध कराया गया। श्रवण यंत्र प्राप्त करने के बाद दोनों बुजुर्गों के चेहरे पर खुशी साफ दिखाई दी। उन्होंने कहा कि अब वे लोगों की बातें आसानी से सुन सकेंगे और परिवार तथा समाज के साथ बेहतर संवाद कर पाएंगे। हितग्राहियों ने मुख्यमंत्री कविष्णुदेव साय एवं जिला प्रशासन के प्रति आभार जताते हुए कहा कि शासन की योजनाएं वास्तव में जरूरतमंद लोगों तक पहुंच रही हैं।

बस्तर में बदलाव की नई बयार:

माओवाद के साये से निकलकर विकास की रौशनी से जगमगाया कोलेंग वनांचल

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर का वह सुदूर वनांचल, जहाँ कभी सन्नाटा और दहशत का पहरा हुआ करता था, आज खुशहाली की एक नई इबारत लिख रहा है। बस्तर जिले के दरभा विकासखंड का कोलेंग क्षेत्र, जो दशकों तक माओवादी गतिविधियों के कारण विकास की दौड़ में पिछड़ गया था, अब अपनी एक नई और सकारात्मक पहचान गढ़ रहा है। कभी मूलभूत सुविधाओं के लिए तरसता यह इलाका अब सड़क, बिजली, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी सुविधाओं से लैस होकर विकास की मुख्यधारा में मजबूती से कदम रख चुका है। जो ग्रामीण कभी बुनियादी सुविधाओं और शासकीय योजनाओं से पूरी तरह महरूम थे, वे अब सीधे शासन-प्रशासन के संपर्क में हैं और विकास में अपनी सक्रिय सहभागिता निभा रहे हैं। एक समय था जब बारिश के दिनों में कोलेंग और उसके आसपास के गाँव पूरी तरह टापू बन जाते थे और ग्रामीणों को आवागमन के लिए भारी मशक्कत करनी पड़ती थी, लेकिन आज यहाँ की स्थिति पूरी तरह बदल चुकी है। जगदलपुर से लेकर कोलेंग, चांदामेटा, छिंदगुर, काचीरास, सरगीपाल और कान्दानार जैसे दुर्गम गांवों तक बारहमासी पक्की सड़कों का जाल बिछ जाने से न केवल आवाजाही सुगम हुई है, बल्कि स्वास्थ्य और शिक्षा जैसी आपातकालीन सेवाएं भी अब ग्रामीणों की चौखट तक पहुँच चुकी हैं। कोलेंग के सरपंच कलालूराम नाग इस बदलाव को ऐतिहासिक मानते हुए कहते हैं कि पहले यह क्षेत्र बाहरी दुनिया से पूरी तरह कटा हुआ था, लेकिन मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय के नेतृत्व में माओवाद की समस्या कम होने और शासन की सक्रियता से ग्रामीणों के जीवन स्तर में एक क्रांतिकारी सुधार आया है।

बस्तर में रेत के अवैध परिवहन के मामले में 4 वाहन जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। बस्तर जिले में रेत के अवैध परिवहन के खिलाफ प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर के निर्देश पर जिला खनिज जांच दल ने बेलगांव रेत घाट और बजावण्ड क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाकर अवैध रूप से रेत परिवहन कर रहे चार वाहनों को जब्त किया है। इनमें दो हाईवा और दो ट्रैक्टर शामिल हैं, जो बिना वैध अभिवहन पास के रेत ढोते पाए गए। सभी वाहनों को खनिज सहित जप्त कर पुलिस अभिरक्षा में सौंप दिया गया है। इस मामले में छत्तीसगढ़ गौण खनिज नियमावली 2015 के नियम 71 तथा खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम 1957 की धारा 21 के तहत दंडात्मक कार्रवाई की जा रही है। खनिज विभाग ने जिले के खनिज ठेकेदारों और परिवहनकर्ताओं को चेतावनी देते हुए कहा है कि बिना अभिवहन पास के खनिज परिवहन करना गंभीर अपराध है और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी।

जशपुर जिले के 417 ग्रामों में मनाया जाएगा जनजातीय गरिमा उत्सव

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय के निर्देशानुसार जन भागीदारी - सबसे दूर, सबसे पहले अभियान के अंतर्गत जशपुर जिले के 417 धरती आबा ग्रामों एवं पीएम-जनमन ग्रामों में 18 मई से 25 मई 2026 तक जनजातीय गरिमा उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इस अभियान का उद्देश्य दूरस्थ जनजातीय अंचलों में शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना तथा जनजातीय संस्कृति, परंपरा और गौरव का सम्मान करना है।

अभियान की शुरुआत 18 मई को जिला कलेक्टर करोहित व्यास की अध्यक्षता में आयोजित बैठक से होगी, जिसमें सभी विभागीय अधिकारियों और एसडीएम को कार्यक्रम के सफल संचालन के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए जाएंगे। इसके बाद 19 मई से 24 मई तक जिले के 42 क्लस्टरों में संतृप्तिकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। वहीं 21 से 23 मई तक आदि सेवा केंद्रों में जनसुनवाई कार्यक्रम आयोजित होंगे, जहां ग्रामीण अपनी समस्याएं प्रस्तुत कर सकेंगे और उनका यथासंभव मौके पर समाधान किया जाएगा। अभियान के दौरान स्वास्थ्य परीक्षण शिविर, जागरूकता कार्यक्रम, जनसंवाद, हितग्राही संतृप्तिकरण शिविर तथा विभिन्न विभागों द्वारा सेवा प्रदाय गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। स्वास्थ्य शिविरों में सामान्य जांच के साथ सिकल सेल एनीमिया एवं टीबी की जांच पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

राज्यपाल रमेन डेका बेमेतरा में की महत्वाकांकयोजनाओं की समीक्षा

महिला आजीविका संवर्धन, युवाओं के हुनर को तराश कर आत्मनिर्भर बनाने पर जोर

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्यपाल करमेन डेका ने आज बेमेतरा में शासन की विभिन्न महत्वाकांकऔर जनहितकारी योजनाओं की प्रगति की गहन समीक्षा की। समीक्षा के दौरान राज्यपाल ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुँचना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति जानकारी के अभाव या प्रशासनिक जटिलताओं के कारण लाभ से वंचित नहीं रहना चाहिए। इस अवसर पर कलेक्टर सुकप्रतिष्ठा ममगाई एवं एसएसपी रामकृष्ण साहू सहित जिला अधिकारी उपस्थित थे । राज्यपाल ने निर्देशित किया कि योजनाओं के क्रियान्वयन में पूर्ण पारदर्शिता बरती जाए। सर्वे और चयन की प्रक्रिया को इतना सुदृढ़ बनाया जाए कि वास्तविक जरूरतमंदों को प्राथमिकता मिले।

राज्यपाल कडेका ने कहा कि कई बार ग्रामीण और दूरस्थ अंचलों में लोगों को योजनाओं की सही जानकारी नहीं होती। इसके लिए स्थानीय स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जाएं। जिससे ग्रामीण जनों को योजनाओ का लाभ मिल सकें।

बैठक में राज्यपाल ने कहा कि सभी अधिकारी मानवीय संवेदना को अपने जीवन में विशेष जगह दें। उन्होंने कहा कि समाज में वंचित और जरूरतमंद लोगों की सेवा करें। उन्होंने कहा कि सीनियर सिटीजन के साथ समय बिताए और उनका ख्याल रखें। जरूरतमंद बच्चों की शिक्षा अध्ययन में सहयोग करें। उन्होंने कहा कि जीवन में सकारात्मक सोच को जगह दें। जन कल्याणकारी योजनाओं का बेहतर क्रियान्वयन करते हुए हितग्राहियों को लाभांवित करें। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं में केवल आंकड़े पूरा करना उद्देश्य नहीं है, बल्कि आम जन के जीवन स्तर में सकारात्मक बदलाव लाना है। उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों को टीम भावना के साथ काम करने और सेवा भाव को सर्वोपरि रखने का आह्वान किया।

राज्यपाल ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए बिहानश् या स्थानीय आजीविका मिशन के तहत महिलाओं को जोड़कर उन्हें बैंक लिंकेज और कम ब्याज पर ऋष्ण उपलब्ध करा कर आर्थिक स्वावलंबन बनाने कहा ।

राज्यपाल करमेन डेका ने पारंपरिक कार्यों से हटकर महिलाओं/युवाओं का कौशल उन्नयन करने कहा। डिजिटल साक्षरता, वित्तीय प्रबंधन और आधुनिक कृषि तकनीकों का प्रशिक्षण पर जोर दिया। युवाओं के हुनर को तराश कर आत्मनिर्भर बनाने के लिए आवश्यक प्रशिक्षण देने कहा। उन्होंने युवाओं को रोजगार खोजने वाला नहीं, बल्कि रोजगार देने वाला बनाने पर ध्यान देना कहा।

राज्यपाल ने युवाओं को श्मुद्रा योजनाश् या राज्य की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना के तहत आसानी से लोन दिलाने और उन्हें मेंटरशिप प्रदान करने निर्देशित किया। कौशल प्रशिक्षण के तुरंत बाद युवाओं को स्थानीय उद्योगों में रोजगार के अवसर दिलाने के लिए जिला स्तर पर श्रोजगार मेलोंश् का नियमित आयोजन करने भी कहा।

राज्यपाल ने सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और कीमती जानों को बचाने के लिए ठोस पहल करने निर्देशित किया। उन्होंने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में सड़क दुर्घटना एक बहुत बड़ी गंभीर समस्या है।

सुशासन तिहार ने लौटाई मुस्कान

व्हील चेयर मिलने से स्वरूप सिंह पोर्ते को मिला आत्मनिर्भर जीवन का सहारा

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। सुशासन तिहार 2026 आमजन की समस्याओं के त्वरित निराकरण का प्रभावी माध्यम बनता जा रहा है। शासन की जनहितकारी योजनाओं का लाभ अब जरूरतमंदों तक तेजी से पहुंच रहा है, जिससे लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल रहे हैं। इसी क्रम में जनपद पंचायत मरवाही अंतर्गत ग्राम पंचायत कटरा निवासी दिव्यांग हितग्राही कस्वरूप सिंह पोर्ते के जीवन में भी सुशासन तिहार नई उम्मीद और राहत लेकर आया है। कस्वरूप सिंह पोर्ते 80 प्रतिशत अस्थि बाधित दिव्यांग हैं। शिविर में आवेदन देने के तुरन्त बाद कपोर्ते को तत्काल व्हील चेयर उपलब्ध कराई गई। स्वरूप सिंह पोर्ते शारीरिक परेशानी के कारण उन्हें लंबे समय से दैनिक कार्यों और आवागमन में गंभीर कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। घर से बाहर निकलना उनके लिए बेहद चुनौतीपूर्ण था। छोटी-छोटी जरूरतों के लिए भी उन्हें परिवार के सदस्यों पर निर्भर रहना पड़ता था, जिससे उन्हें मानसिक और शारीरिक दोनों प्रकार की परेशानियां होती थीं।

इसी दौरान उन्हें सुशासन तिहार 2026 के तहत ग्राम पंचायत उषाड़ में आयोजित समाधान शिविर की जानकारी मिली। शासन की इस पहल से प्रेरित होकर वे शिविर में पहुंचे और समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को अपनी समस्या से अवगत कराया। उन्होंने व्हील चेयर उपलब्ध कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया।

बिहान योजना से आत्मनिर्भर बन रही हैं ग्रामीण महिलाएं

सुशासन तिहार में जागृति स्व-सहायता समूह को मिला 5.40 लाख रुपये का सीआईएफ ऋण

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। राज्य शासन की महत्वाकांकबिहान योजना ग्रामीण महिलाओं के आर्थिक और सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम बनकर उभर रही है। स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं इस योजना के माध्यम से स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं। सरगुजा जिले के ग्राम बड़ादमाली की जागृति स्व-सहायता समूह की अध्यक्ष एवं सरस्वती ग्राम संगठन की अध्यक्ष क रामरति यादव इसकी प्रेरक मिसाल हैं।

क रामरति यादव ने बताया कि सुशासन तिहार 2026 के दौरान उनके समूह को 5 लाख 40 हजार रुपये का सामुदायिक निवेश निधि (सीआईएफ) ऋष्ण प्राप्त हुआ है। इस राशि का उपयोग समूह की महिलाएं बकरी पालन और साग-सब्जी उत्पादन जैसे आजीविका गतिविधियों में कर रही हैं।

बढ़ी आय, मजबूत हुआ आत्मविश्वास: क यादव ने बताया कि बड़ादमाली क्षेत्र में बकरी पालन महिलाओं की आय का महत्वपूर्ण स्रोत बन गया है। इसके साथ ही समूह की महिलाएं सब्जी उत्पादन कर स्थानीय बाजारों में विक्रय कर रही हैं। इससे उनकी आय में लगातार वृद्धि हो रही है और परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है। क यादव ने कहा कि बिहान योजना के तहत पहले सीआईएफ ऋष्ण उपलब्ध कराया जाता है, जिसके बाद बैंक लिंकेज के माध्यम से अतिरिक्त ऋष्ण सुविधा भी मिलती है। इससे महिलाएं अपने व्यवसाय का विस्तार कर रही हैं और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन रही हैं।

जीवन में आया सकारात्मक बदलाव: क यादव ने बताया कि पहले छोटी-छोटी जरूरतों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना पड़ता था, लेकिन अब समूह की महिलाएं स्वयं आर्थिक गतिविधियों का संचालन कर रही हैं। बचत, ऋष्ण और आजीविका गतिविधियों के माध्यम से वे अपने परिवार और भविष्य को मजबूत बना रही हैं। क रामरति यादव ने मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि राज्य सरकार की योजनाओं से ग्रामीण महिलाओं को नई पहचान और आत्मनिर्भर बनने का अवसर मिला है। उन्होंने प्रधानमंत्री कनरेंद्र मोदी के प्रति भी धन्यवाद ज्ञापित किया। बिहान योजना आज ग्रामीण महिलाओं के लिए आर्थिक सशक्तिकरण का मजबूत आधार बन चुकी है, जिसके माध्यम से महिलाएं स्वरोजगार अपनाकर आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

सूरजपुर में आवासीय विकास का नया अध्याय- ग्राम पर्री में अटल विहार योजना का भव्य शुभारंभ

37.66 करोड़ की लागत से बनेगी जिले की पहली आधुनिक आवासीय कॉलोनी

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (निप्र)। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में शहरी विकास और आवासीय सुविधाओं की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाते हुए ग्राम पर्री में जिले की प्रथम आवासीय कॉलोनी अटल विहार योजना का भव्य भूमिपूजन संपन्न हुआ। छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा लगभग 37.66 करोड़ रुपए की लागत से विकसित की जा रही यह महत्वाकांकपरियोजना जिले के आवासीय परिदृश्य को नई पहचान देने जा रही है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री क लक्ष्मी राजवाड़े उपस्थित रहीं। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल के अध्यक्ष कअनुराग सिंह देव, प्रेमनगर विधायक कभुलन सिंह मरावी, जिला पंचायत अध्यक्ष कचन्द्रमणी पैंकरा तथा कलेक्टर क रेना जमील सहित अनेक जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे। मंत्री क लक्ष्मी राजवाड़े ने कहा कि अटल विहार योजना जिलेवासियों के अपने घर के सपने को साकार करने वाली महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने इसे पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. कअटल बिहारी वाजपेयी के सपनों को मूर्त रूप देने वाली परियोजना बताते हुए कहा कि राज्य सरकार मुख्यमंत्री कविष्णु देव साय के नेतृत्व में मोदी की गारंटी के अनुरूप अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि यह सूरजपुर जिले की पहली आधुनिक एवं सर्वसुविधायुक्त आवासीय कॉलोनी होगी, जिसमें आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग से लेकर उच्च आय वर्ग तक सभी के लिए किफायती दर पर आवास उपलब्ध होंगे।

185 आधुनिक भवनों का होगा निर्माण: अटल विहार योजना के अंतर्गत ग्राम पर्री में लगभग 10 एकड़ भूमि पर कुल 185 भवन बनाए जाएंगे। इनमें 68 ईडब्ल्यूएस, 60 एलआईजी, 47 एमआईजी तथा 10 एचआईजी भवन शामिल हैं।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी
आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा